Tc.No. : GUJHIN00722

पेज: 4, मुल्य 1 रु.

क्रांति समय

संस्थापक / संपादक : सुरेश मौर्या

E-mail: krantisamay@gmail.com, www.krantisamay.com

वर्ष: 1 अंक: 48 , 11 नवम्बर, शनिवार 2017, सूरत, हिन्दी दैनिक मो. 9879141480 4 ओ ब्लॉक आगम नवकार कॉम्पलेक्ष, सचीन रेल्वे स्टेशन के पास, सूरत-गुजरात

सार समाचार

युवक ने की नर्स से छेड़छाड़

नोएडा। सेक्टर-168 स्थित छपरौली गांव के पास नर्स को झाड़ियों में खींचकर छेडछाड का मामला सामने आया है। पीड़िता के चीखने चिल्लाने पर आसपास के लोग आरोपी की ओर दौड़े लेकिन वह फरार हो गया। पीड़िता ने कोतवाली एक्सप्रेस वे में युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।सेक्टर-168 छपरौली गांव में एक महिला परिवार के साथ रहती है। वह सेक्टर-33 स्थित एक अस्पताल में नर्स है। बृहस्पतिवार सुबह 8 बजे वह घर से अस्पताल के लिए निकली। रास्ते में गांव के ही जितेन्द्र उर्फ जीतू ने उसके साथ छेड़छाड़ शुरू कर दी। महिला का आरोप है कि जब उसने जीतू का विरोध किया तो वह उसे सड़क के किनारे झाड़ियों में खींचने लगा। महिला के शोर मचाने पर वहां से गुजर रहे लोग आरोपी की ओर दौड़े तो वह भाग निकला। महिला का आरोप है कि आरोपी अक्सर उसके साथ छेड़खानी करता है। उसके कई बार समझाने पर भी आरोपी नहीं माना। एक्सप्रेस वे एसएचओ वेदपाल सिंह पुंडीर ने बताया कि महिला की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। पुलिस आरोपी को तलाश रही है।

गोली मारकर बिल्डर की हत्या दो सशस्त्र बदमाशों ने दिया घटना

साहिबाबाद। थाना साहिबाबाद क्षेत्र शालीमार गार्डन में बाइक सवार दो सशस्त्र बदमाशों ने एकता बिल्डर एंड इंजीनियर्स के मालिक की गोली मारकर हत्या कर दी। इससे 15 दिन पहले भी इसी बिल्डर की साइट पर दो बार बदमाश गोली चला चुके हैं। इसमें एक सुरक्षा गार्ड बदमाशों की गोली से घायल हो चुका है। उधर पुलिस को मौके से 12 कारतूस के खोखे बरामद किए हैं। जानकारी के अनुसार शाम करीब पांच बजे बाइक पर आये दो बदमाश बिल्डर एसपी सिंह के शालीमार गार्डन स्थित कार्यालय पर पहुंचे और बिल्डर पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। इस पर बिल्डर ने भी अपनी लाइसेंसी पिस्टल से बदमाशों पर फायरिंग की लेकिन बदमाश बच गए। उधर बिल्डर को कई गोलियां लगी थी। इस बीच एक बदमाश ने बिल्डर की कार को भी निशाना बनाकर कई गोलियां दागकर उसे क्षतिग्रस्त कर दिया। बिल्डर को नजदीकी अस्पताल ले जाया गया जहां हालत खराब होने पर उसे यशोदा अस्पताल रेफर कर दिया। बाद में वहां बिल्डर की मौत हो गई। मौत के खबर की सूचना पाकर परिजनों ने अस्पताल के बाहर हंगामा कर पुलिस के खिलाफ नारेबाजी की। उनका आरोप था 15 दिन पहले भी बदमाशों ने सुरक्षा गार्ड को गोली मारकर घायल कर दिया था। मगर पुलिस ने इस मामले में कोई कार्रवाई नहीं की। गोलीबारी की इस घटना से सभी बिल्डरों में रोष व्याप्त है। घटना की सूचना के एक घंटे बाद एसपी सिटी आकाश तोमर व एएसपी अनूप सिंह मौके पर पहुंचे और घटना की तहकीकात करने के लिए अधीनस्थों को निर्देश दिए। पुलिस को मौके से 12 कारतूस के खोखे बरामद किए। एसपी सिटी आकश तोमर ने बताया कि बिल्डर की हत्या में लापरवाही बरतने के आरोप में एसएसपी गाजियाबाद हरिनारायन सिंह ने पुलिस चौकी शालीमार गार्डन इंचार्ज पवेंद्र चौहान को निलंबित कर दिया है। थाना साहिबाबाद के पूर्व इंचार्ज सुधीर त्यागी के खिलाफ जांच बिठा दी है। 10 दिन पहले हुए एक कातिलाना हमले में पहले ही हत्या का केस दर्ज है उसकी जांच की जा रही है। इस हत्या का कारण उन्होंने एक भूमि के टुकड़े पर विवाद बताया है। अपराधियों को पकड़ने के लिए पुलिस की कई टीमें गठित कर विभिन्न स्थानों पर धरपकड़ के लिए भेजी गई हैं।

युवक से लूटा मोबाइल, तीन दिन बाद मामला दर्ज

नोएडा। कोतवाली सेक्टर-20 क्षेत्र में एक बाइक पर सवार तीन बदमाशों ने ई रिक्शा से जा रहे युवक से मोबाइल लूट लिया। तीन दिन से मामला दर्ज कराने को लेकर युवक थाने के चक्कर काट रहा था। आखिर वीरवार को बमुश्किल मामला दर्ज हुआ। लाजपत नगर, नई दिल्ली निवासी कपिल एक निजी कंपनी में नौकरी करते हैं। बीते छह नवंबर को वह बॉटेनिकल गार्डन से ई रिक्शा में सवार होकर सेक्टर-16 मैट्रो स्टेशन के लिए आ रहा था, तभी सेक्टर-18 स्थित अट्टा पीर के पास एक बाइक पर सवार तीन बदमाश उनका मोबाइल लूटकर फरार हो गए। पीड़ित ने मामले की सूचना पुलिस को दी। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने मामले की जांच की तथा पीड़ित को मामला दर्ज कराने के लिए थाने भेज दिया। पीड़ित मामला दर्ज कराने के लिए थाने के तीन दिन से चक्कर काट रहा था।

ये वस्तुएं हो सकती हैं सस्ती

परिषद की बैठक: लोगों-व्यापारियों को राहत देने की तैयारी में सरकार,

गुवाहाटी। जीएसटी काउंसिल की आज होने जा रही बैठक में कई वस्तुओं पर टैक्स कटौती की घोषणा हो सकती है। 28 फीसदी टैक्स स्लैब में शामिल रोजमर्रा की वस्तुओं, प्लास्टिक प्रॉडक्ट्स और हाथ से बने फर्नीचर पर उपभोक्ताओं को राहत मिल सकती है। इससे रेस्तरां में खाना खाना सस्ता हो जाएगा। परिषद 28 प्रतिशत की उच्चतम कर स्लैब से करीब 80 फीसदी वस्तुओं को बाहर करने पर और जीएसटी रिटर्न एक की जगह तीन माह में भरने जैसे निर्णयों पर भी मुहर लगा सकती है।

तीन माह के नतीजों पर भी होगा गौर सूत्रों के मुताबिक, परिषद जीएसटी लागू के तीन माह के परिणामों पर भी गौर करेगी। खासकर लघु उद्योगों पर इसके प्रभावों, एमआरपी को लेकर शिकायतों पर ध्यान दिया जाएगा। बैठक में एकमुश्त कर योजना में एक समान कर, तमाम वस्तुओं पर कर घटाने, रिटर्न में आसानी से जुड़ी तीन समितियों की सिफारिशों पर फैसला लेना है। जीएसटी के दायरे में अभी 1200 के करीब वस्तुएं और सेवाएं हैं।

एक समान कर की मांग

उल्लेखनीय है कि असम के वित्त मंत्री हेमंत बिस्वा सरमा की अध्यक्षता में एक समिति बनाई गई थी, जिसे एकमुश्त कर योजना, एसी-गैर एसी रेस्तरां और तमाम वस्तुओं पर टैक्स दरों की समीक्षा करनी थी। फेडरेशन ऑफ होटल एंड रेस्तरां एसोसिएशन के अध्यक्ष गरीश ओबेराय की अध्यक्षता में एक दल गुरुवार को राजस्व सचिव हसमुख अधिया से मिला। प्रतिनिधिमंडल ने सभी रेस्तरां पर एकसमान 12 फीसदी कर की मांग की है। अगर इन सिफारिशों को स्वीकार कर लिया गया तो एक जुलाई से जीएसटी लागू होने के बाद यह अब तक की सबसे बड़ी राहत होगी।

छोटे कारोबारियों पर एक फीसदी कर हो

समिति ने एकमुश्त योजना के तहत, व्यापारियों, मैन्युफैक्चरिंग (विनिर्माण) और रेस्तरां पर टैक्स एक फीसदी करने की सिफारिश की है, अभी यह क्रमश: एक, दो और पांच फीसदी है। एक करोड़ टर्नओवर वाले एकमुश्त योजना का लाभ उठा सकते हैं।

एसी-गैर एसी रेस्तरां पर 12 फीसदी कर लगे

समिति ने एकमुश्त कर योजना से बाहर के एसी और गैर एसी रेस्तरां में कर का अंतर खत्म करने को भी कहा है। दोनों पर

ही एकसमान 12 फीसदी कर का सुझाव दिया गया है। अभी गैर एसी रेस्तरां पर 18 फीसदी टैक्स है।

लग्जरी होटलों पर भी कर बोझ कम होगा

समिति का कहना है कि 7500 से ज्यादा किराये के कमरे वाले होटलों में खाने-पीने पर 18 फीसदी टैक्स लगना चाहिए। इसमें पांच सितारा और अन्य होटलों में भेद नहीं हो। पांच सितारा होटलों पर अभी 28 फीसदी टैक्स है।

28 फीसदी टैक्स स्लैब से दो तिहाई वस्तुएं बाहर होंगी

सूत्रों के अनुसार, 28 फीसदी की स्लैब में अभी 227 वस्तुएं हैं, जिनमें से 118 को 18 प्रतिशत की कर स्लैब में लाया जा सकता है। इससे उच्चतम टैक्स स्लैब में सिर्फ 62 वस्तुएं रह जाएंगी। चॉकलेट, तंबाकू उत्पाद , पान मसाला, फ्रि ज, वाशिंग मशीन, वैक्यूम क्लीनर, डिजिटल कैमरा आदि शामिल हैं। राज्यों की मांगों को देखते हुए कई वस्तुओं पर टैक्स को 18 से घटाकर 12 फीसदी पर भी लाया जा सकता है।

इन वस्तुओं के दाम घटेंगे

पाइप व अन्य प्लास्टिक उत्पाद

हस्तनिर्मित फर्नीचर

रोजमर्रा के उत्पाद जैसे शैंपू

तोहफा: अब घर बनाने के लिए 25 लाख तक का कर्ज ले सकेंगे केंद्रीय कर्मचारी

हर माह की जगह तीन माह में रिटर्न भरना होगा! करदाताओं की आसानी के लिए परिषद हर माह तीन रिटर्न भरने की कवायद पर भी पुनर्विचार कर रही है। व्यापारी जीएसटीआर-1, जीएसटीआर-2 में खरीद और आपूर्ति के बीच मिलान न होने जैसी कठिनाइयों से परेशान हैं। इस कारण रिटर्न को तिमाही किया जा सकता है। अभी सिर्फ एकमुश्त स्कीम या 1.5 करोड़ टर्नओवर वालों को यह लाभ मिला है। अगस्त में 58 फीसदी की तुलना में सितंबर में 46.4 फीसदी के रिटर्न भरने से सरकार चिंतित है और व्यापारियों की समस्याएं जानने के लिए सर्वे करा रही है।

2.78 लाख करोड़ रुपये टैक्स मिला जीएसटी के तीन माह में

30 नवंबर और 11 नवंबर हुई जीएसटीआर 2-3 की सीमा

धुंध में कार यमुना में गिरी, दो छात्रों की मौत

सभी ने पी रखी थी शराब, समझ नहीं आया रास्तावजीराबाद श्याम घाट के पास की घटना तीन ने किसी तरह बचाई जान

कार में सवार थे पांच दोस्त

नई दिल्ली। तिमारपुर इलाके में बुधवार रात को धुंध की वजह से एक तेज रफ्तार कार यमुना नदी में गिर गई। इस दर्दनाक घटना में कार में बैठे दो युवकों की पानी में डूबने से मौत हो गई जबकि तीन अन्य युवक किसी तरह जान बचाकर बाहर निकलने में सफल रहे। मृतकों की शिनाख्त दीपक जांगीड़ तथा कृष्णा यादव के तौर पर की गई। फ्लिहाल पुलिस ने इस बाबत लापरवाही से मौत की धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है और दोनों शवों को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार दीपक जांगीड़ और कृष्णा यादव अपने परिवार के साथ हौजखास पुलिस कालोनी में रहते थे। उनके एक परिजन ने बताया कि दोनों प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते थे। इनके बचपन के दोस्त आकाश व दीपक तिमारपुर के वजीराबाद गली संख्या 15 में रहते हैं।

बुधवार शाम को अचानक दीपक जांगीड़ और कृष्णा यादव का आकाश के फ्लैट पर आने का कार्यक्रम बना। इसके बाद दीपक जांगीड़ अपनी कार से कृष्णा यादव के साथ वजीराबाद आकाश व दीपक के घर पहुंचा। इसके बाद चारों ने अपने एक और दोस्त आनंद को भी मौके पर बुला लिया, जो किंग्सवे कैम्प में रहता है। पुलिस ने बताया कि देर रात सभी पांच युवक कार से वजीराबाद के पास श्याम घाट पर पहुंचे थे। जहां देर रात तक घाट के समीप शराब पीने के बाद करीब डेढ़ बजे दीपक ने कार स्टार्ट की और वहां से निकला लेकिन धुंध और नशे के कारण चालक रास्ता नहीं समझ पाया जिसके चलते उनकी कार यमुना नदी की तरफ चली गई। पुलिस ने दावा किया कि पानी में कार के जाने के बाद कार बाई तरफ से पलट गई जिसकी वजह से चालक की सीट पर बैठा दीपक और पीछे बैठे आकाश और आनंद तो दरवाजा खोलकर बच निकले। लेकिन बाकी दीपक जांगीड़ और कृष्णा कार के साथ पानी में समा गए।

काफी देर तक इनलोगों ने खुद से पानी में डूबे दोस्तों की तलाश की लेकिन पता नहीं चलने पर इसकी सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने बताया कि देर रात ही दोनों के शवों को बाहर निकाला गया और इसकी सूचना उनके परिजनों को दी गई। पूछताछ में पता चला है कि दोनों मृतक एनसीसी के कैडेट थे और वर्तमान में दोस्तों के साथ मिलकर दिल्ली पुलिस में भर्ती की तैयारी कर रहे थे।

इनमें दीपक के पिता प्रकाश सिंह दिल्ली पुलिस में हेड कांस्टेबल थे लेकिन आंखों की रोशनी चले जाने के कारण उनकी जगह पर मां कविता सिंह को नौकरी मिल गई जो वर्तमान में आरकेपुरम थाने में तैनात हैं। वहीं कृष्णा यादव के हेड कांस्टेबल पिता की तबियत खराब होने के कारण उसकी मां कृष्णा देवी नौकरी कर रही हैं और वह वर्तमान में डीसीपी हौजखास के आफिस में तैनात हैं। घटना के बाबत बाकी बचे तीनों दोस्तों से पूछताछ की जा रही है।

पांच मिनट में मार्कर बता देगा आपको सर्वाइकल कैंसर है या नही

कानपुर। सर्वाइकल कैंसर का पता लगाने के लिए अब लंबी-चौड़ी जांच की जरूरत नहीं होगी। एक मार्कर महज पांच मिनट में बता देगा कि यह बीमारी है या नहीं। जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के अपर इंडिया जच्चा बच्चा अस्पताल और आईआईटी-कानपुर के फिजिक्स विभाग के विशेषज्ञों ने इसके लिए एक उपकरण तैयार किया है, जिसे फि लहाल मार्कर (फ्लोरेसेंस स्पेक्ट्रोस्कोपी डिवाइस) नाम दिया गया है। शोधकर्ताओं का दावा है कि जांच की इस तकनीक से बायोप्सी पर निर्भरता कम होगी। आगे चलकर यह बा इस उपकरण से यह भी पता चलेगा कि कैंसर है तो किस स्टेज में पहुंच चुका है। सबसे खास बात यह है कि इस उपकरण से जांच के दौरान मरीज को किसी तरह की तकलीफ का सामना नहीं करना होगा।

सड़क के रास्ते दिल्ली पहुंचे यात्री

पायलट ने ड्यूटी आवर पूरे होने पर उड़ान से किया इनकार,

जयपुर। एयर इंडिया के एक पायलट ने कल रात ऐनवक्त पर विमान उड़ाने से इनकार कर दिया। विमान के कुछ यात्रियों को सड़क मार्ग से और कुछ यात्रियों को आज दूसरे एयरलाइंस के विमान से दिल्ली भेजा गया। सांगानेर हवाई अड्डे के निर्देशक जी एस बल्हारा के अनुसार दिल्ली से जयपुर आने वाली एयर इंडिया का विमान किन्हीं कारणों से देर रात डेढ़ बजे जयपुर पहुंचा था।

कुछ यात्री रुके होटल में

उन्होंने बताया कि यही विमान उड़ान संख्या 9आई 644 तकरीबन चालीस यात्रियों और चालक दल के सदस्यों को लेकर दिल्ली के लिए उड़ान भरने वाला था, लेकिन विमान के पायलट ने अपने ड्यूटी समय समाप्त होने की वजह से विमान उड़ाने से इन्कार कर दिया। निदेशक के अनुसार विमान के कुछ यात्रियों को रात में होटल में रूकवाया

गया, कुछ को सड़क मार्ग से भेजा गया। उन्होंने कहा कि रात में रूके यात्रियों को आज दूसरे एयरलाइंस के विमान से दिल्ली भेजा गया है। इधर, एयर इंडिया के स्थानीय अधिकारियों से संपर्क करने का प्रयास किया गया लेकिन सम्पर्क नहीं हुआ। जेएस बल्हारा ने बताया कि पायलट की ड्यूटी का टाइम खत्म हो गया था और वह दूसरी फ्लाइट नहीं ले सका। उन्होंने बताया कि डीजीसीए के नियमों के मुताबिक पायलट तय सुरक्षा कारणों से घंटों से ज्यादा समय तक अपना काम नहीं कर सकते हैं।

जेएनयू: बिरयानी पार्टी के बाद प्रशासन ने लगाया 6,000 रुपए का जुर्माना

नई दिल्ली। जवाहर लाल नेहरु यूनिवर्सिटी (जेएनयू) प्रशासन ने यहां पढ़ रहे कुछ छात्रों पर 6,000 रुपए का जुर्माना लगाया है। यह जुर्माना छात्रों पर यूनिवर्सिटी के एडमिनिस्ट्रेटिव ब्लॉक में बिरयानी पकाने पर लगाया गया है। जून में जारी विरोध प्रदर्शन के दौरान यह घटना हुई थी और बताया जा रहा है कि यह बीफ बिरयानी थी।

आरोपों की पुष्टि नहीं

एबीवीपी का आरोप कितना सही है, इस पर अभी तक पुष्टि नहीं की जा सकी है। लेकिन छात्रों को जो सजा दी गई है उसमें आधिकारिक तौर बीफ या फिर किसी और पदार्थ को कोई जिक्र नहीं है। बल्कि छात्रों पर ऑफिस कॉम्प्लेक्स में खाना बनाने और वहीं पर खाने की वजह से नियम तोड़ने के बाद उन पर जुर्माना लगाया गया है।

छात्रों को इस तरह के कामों का दोषी करार दिया गया है जिसे वाइस

चांसलर या फिर दूसरी अथॉरिटी ने छात्रों के व्यवहार को अनुशासन तोड़ने वाला करार दिया है। छात्रों को जो आदेश जारी किया गया है उसमें लिखा है, 'आपको एडमिन ब्लॉक के पास स्थित सीढ़ियों के पास बिरयानी पकाने और खाने का दोषी पाया जाता है।' एबीवीपी की ओर से जारी प्रचार के बाद यह जुर्माना छात्रों पर लगाया गया है और इस वजह से यह मुद्दा एक राजनीतिक मुद्दा बन गया है। एबीवीपी का आरोप है कि इस मौके पर यूनिवर्सिटी में बीफ पकाया गया था।

केंद्र सरकार समेत तीन राज्यों को नोटिस

नई दिल्ली। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में प्रदूषण के जानलेवा स्तर के मद्देनजर केंद्र सरकार के अलावा दिल्ली, पंजाब एवं हरियाणा की राज्य सरकारों को नोटिस जारी किए हैं। आयोग ने इसे संविधान में निहित जीवन एवं स्वास्थ्य के अधिकार का उल्लंघन बताते हुए तथा खतरे से निपटने के लिए उचित कदम नहीं उठाने को लेकर प्राधिकारियों की निंदा की। आयोग ने विभिन्न केंद्रीय मंत्रालयों और तीनों राज्यों की सरकारों से हालात से निपटने के लिए उठाए जा रहे एवं प्रस्तावित कदमों की दो सप्ताह के भीतर रिपोर्ट मांगी है। आयोग ने एक बयान में कहा कि सरकार जहरीली धुंध के कारण नागरिकों को मरने के लिए नहीं छोड़ सकती। पर्यावरण, स्वास्थ्य एवं रोजमार्ग के केंद्रीय मंत्रालयों के सचिवों के साथ ही राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली, पंजाब और हरियाणा की सरकारों के मुख्य सचिवों को नोटिस जारी किए गए हैं। आयोग ने कहा कि उसने दिल्ली एनसीआर में जानलेवा प्रदूषण को गंभीरता से लिया है। एनएचआरसी ने कहा कि यह स्पष्ट है कि संबंधित प्राधिकारियों ने इस समस्या से निपटने के लिए वर्षभर उचित कदम नहीं उठाए, जो क्षेत्र के निवासियों के जीवन एवं स्वास्थ्य के अधिकार के उल्लंघन के समान है। आयोग ने कहा कि वह स्वास्थ्य सचिवों से उम्मीद करता है कि वे प्रदूषण से प्रभावित लोगों का उपचार करने के लिए सरकारी अस्पतालों एवं अन्य एजेंसियों की तैयारी और लोगों के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए उठाए जाने वाले कदमों के बारे में जानकारी दे। उसने कहा कि केंद्र और राज्यों में

एनएचआरसी ने विभिन्न केंद्रीय मंत्रालयों व दिल्ली, पंजाब व हरियाणा से प्रदूषण से निपटने के लिए उठाए जा रहे व प्रस्तावित कदमों की जानकारी मांगी

एजेंसियों द्वारा प्रभावशाली कदम उठाए जाने की तत्काल आवश्यकता है। साथ ही पर्यावरणीय कानूनों के उचित क्रियान्वयन की आवश्यकता है। इस संबंध में विशेषज्ञों द्वारा उचित अध्ययन किए जाने और दीर्घकालीन एवं अल्पकालीन कदमों समेत उनकी सिफारिशें के उचित क्रियान्वयन की आवश्यकता है। लोगों की एहतियातन मेडिकल जांच कराए जाने की भी जरूरत है। एचएचआरसी ने कहा कि लगभग हर समाचार पत्र और टीवी चैनल इस विषय पर खबरें प्रसारित कर रहे हैं। शहर में जहरीली धुंध खासकर जब सर्दी का मौसम आने वाला होता है, तब आने वाली एक वार्षिक स्वास्य समस्या बन गई है। इसमें दिल्ली-एनसीआर में और इसके आसपास चल रहे निर्माण कायरे के साथ उड़ने वाले धूल के कण, वाहन, खासकर डीजल से चलने वाले ट्रक और भारी वाहन, पंजाब और हरियाणा में पराली जलाने के कारण हुए प्रदूषण, मानवीय नियंतग्रके बाहर शांत हवा की स्थिति और अत्यधिक नमी समेत कई कारणों का जिक्र किया गया है। आयोग ने कहा कि शहर में भारी वाहनों का प्रवेश रोकने के लिए और राजमागरे को जोडने के लिए वैकल्पिक सड़कों के प्रस्ताव पर विचार किया जा रहा है, लेकिन इस संबंध में अभी तक कोई प्रभावशाली कदम नहीं उठाया गया। प्रदूषण बुधवार को खतरनाक स्तर पर पहुंच गया और क्षेत्र में धुंध छाई रही, जिसके कारण सरकार को रविवार तक स्कूलों को बंद करने, निर्माण गतिविधियां रोकने और शहर में ट्रकों के प्रवेश पर रोक लगाने की घोषणा करनी पड़ी। एनसीआर में गाजियाबाद और नोएडा सर्वाधिक प्रभावित हुए हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) चेताने वाले स्तर पर पहुंच गया है। कुछ यंत्रों ने कुछ स्थानों पर 999 का अधिकतम एक्यूआई दर्ज किया। दुनिया की सबसे प्रदूषित राजधानी में वायु गुणवत्ता इस कदर खराब हो गई है कि यह एक दिन में कम से कम 50 सिगरेट पीने के समान है। एक समाचार वेबसाइट ने रिपोर्ट दी कि हालात इतने खराब हैं कि दिल्ली के कुछ हिस्सों में वायु गुणवत्ता सूचकांक पर इसने एक हजार का आंकड़ा छू लिया है।

गुणों से ही मनुष्य महान होता है, ऊंचे आसन पर बैठने से नहीं। महल के कितने भी ऊंचे शिखर पर बैठने से भी कौआ गरुड़ नहीं हो जाता -चाणक्य

सरकार या केंद्र

राजनीति में बड़ी महत्त्वाकांक्षा रखने वाले अरविंद केजरीवाल जब से दिल्ली के मुख्यमंत्री बने हैं, यह विवाद ज्यादा गहराता गया है कि संघ शासित प्रदेश दिल्ली के शासन-सूत्र की वास्तविक शक्तियों का स्वामी कौन है? दिल्ली की निर्वाचित सरकार या केंद्र का मनोनीत राज्यपाल? कानून और संविधान के महत्त्वपूर्ण पहलुओं से जुड़े इस विवाद की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट की पांच सदस्यीय संवैधानिक पीठ कर रही है। इस दौरान शीर्ष अदालत की टिप्पणियों से इसके संकेत मिल रहे हैं कि निर्वाचित सरकार के प्रति वह संवेदनशील है और उसके कामकाज के लिए अनुकूल परिस्थितियां बनाने की पक्षधर है। हालांकि इसका यह भी मतलब निकाला नहीं जाना चाहिए कि शीर्ष अदालत दिल्ली सरकार को वे सारी शक्तियां देने की इच्छुक हैं, जो दूसरे पूर्ण राज्यों को प्राप्त है। सुप्रीम कोर्ट केजरीवाल सरकार के वकील गोपाल सुब्रह्मण्यम के उस तर्क से सहमत नहीं है कि कैबिनेट की सलाह उपराज्यपाल पर बाध्यकारी होती है। संवैधानिक प्रावधानों के मुताबिक दिल्ली केंद्र शासित प्रदेशहै। लिहाजा, दिल्ली सरकार के कामकाज पर उपराज्यपाल की मोहर अनिवार्य है। बावजूद इसके शीर्ष अदालत ने दिल्ली सरकार के रोजमर्रा के कामकाज में उपराज्यपाल की दखलअंदाजी को अनुचित माना है।

इसका यह भी अर्थ निकाला जा सकता है कि यदि दिल्ली सरकार संविधान के दायरे में रह कर कोई काम करती है तो उपराज्यपाल को उस पर दखल देने का कोई हक नहीं है। दरअसल, कानून, भूमि और पुलिस के मसले पर दिल्ली सरकार और उपराज्यपाल के बीच ज्यादा टकराव रहा है और ये तीनों विषय गृह मंत्रालय के अधीन है। यह कहा जा सकता है कि केंद्र और दिल्ली सरकार के बीच विवाद का मूल कारण दोनों के बीच शक्तियों का विभाजन अस्पष्ट न होना उतना नहीं है, जितना कि राजनीतिक अहं का होना है। दिल्ली में 15 साल शीला दीक्षित की सरकार रही है। उस दौरान वास्तविक अर्थों में दिल्ली का विकास हुआ। तब उन्हें भी वे शक्तियां और अधिकार प्राप्त थे, जो आज केजरीवाल के पास है। हालांकि यह कहा जा सकता है कि दिल्ली और केंद्र दोनों में कांग्रेस की सरकार थी।

अलबत्ता शीला दीक्षित को केंद्र का सहयोग प्राप्त था। लेकिन यह भी नहीं माना जा सकता कि केजरीवाल सरकार को वह सहयोग प्राप्त नहीं है। सहयोग परस्पर होता है। यदि केजरीवाल टकराव को मुख्य सियासी हथियार नहीं बनाये होते तो यह विवाद कोर्ट तक नहीं पहुंचता।

प्रदूषित पर्यावरण

प्रदूषण से आज हर कोई लस्त-पस्त है। प्रदूषित पर्यावरण की कड़ी मार आज बुजुर्ग से लेकर बच्चों तक पड़ रही है। बड़ी दारुण स्थिति है। खासकर दिल्ली-एनसीआर का इलाका अपने विकास के उस बियावान में फंस कर उलझ गया है, जहां से निकलने में उसे बरसों लगेंगे और वह भी कठोर जिजीविषा दिखाने के बाद। मगर जिस तरह से राजधानी दिल्ली और उसके पास के इलाके दमघोंटू या कहें गैस चेंबर में बदलते जा रहे हैं, वह चिंता तो पैदा करता ही है, यह सोचने को मजबूर करता है कि मौत की भट्टी से छुटकारा पाने का उपाय क्या है? जो उपाय पिछले दिनों बताए गए हैं, उससे सरकार की प्रदूषण से बच निकलने की जल्दबाजी ज्यादा दिखती है। ऐसे ''मेडिकल इमरजेंसी' के हालात में तात्कालिक उपाय तो जरूरी हैं ही; दीर्घकालीन रणनीति बनाने की महती आवश्यकता है।

ठीक है कि एनसीआर के स्कूलों को कुछ दिनों के लिए बंद करने का आदेश है या मेट्रो के फेरे बढ़ाने की बात है या ट्रकों को रात में दिल्ली में प्रवेश नहीं करने का नियम लागू कर दिया गया हो या पार्किंग की दर चार गुना बढ़ा दी गई हो। लेकिन क्या ऐसे उपायों से हम एक बड़ी आबादी को राहत दे पाने की स्थिति में हैं? पार्किंग का किराया चार गुना बढ़ाने का तर्क सौ फीसद अतार्किक है। एक तरफ हम मेट्रो के फेरे बढ़ाते हैं वहीं दूसरी तरफ पार्किंग की दर में बेतहाशा वृद्धि करते हैं। हमें व्यावहारिक नियम-कायदों और समाधान के रास्ते तलाशने होंगे।

पर्यावरण की शिक्षा प्राथमिक स्तर से शुरू करनी होगी। हम विकास की सीढ़ियां भले द्रुत गति से नाप रहे हों किंतु जब तक शुद्ध हवा, जल और खान-पान की उपलब्धता नहीं होगी, तब तक हर विकास बेमानी है। ऐसे विकास से क्या लाभ जो आराम और निश्चिंतता का बोध कराने के बजाय डराएं और चिढ़ाएं। जो हालात दिवाली के बाद से दिल्ली-एनसीआर की अवाम झेल रही है, उस पर संजीदा होना ही पड़ेगा वरना हमारे दिन गिनती के ही रह जाएंगे। यहीं नागरिक जिम्मेदारी की हद शुरू होती है।

सत्संग

मनुष्य के संकीर्ण मन

आपका लक्ष्य सफलता पाना था और आपने कड़ी मेहनत की, मगर नतीजा विपरीत हो गया। इसे लेकर किसलिए परेशान होना? तकलीफकिसलिए? कभी उत्साह के साथ बढ़ रही चींटियों की कतार को देखिए। उनमें से एक चींटी की राह पर यों ही उंगली रखकर रास्ता रोककर देखिए। वह रु केगी नहीं। उंगली के चारों ओर घूमते हुए ढूंढ़ेगी कि रास्ता कहां है? उसके रास्ते पर चाहे जितने रोड़े अटकाएं वह किसी न किसी तरह अपनी यात्रा जारी रखेगी। मर कर गिर जाने तक वह अपना उत्साह नहीं खोती। पतली-सी घास को जमीन से उखाड़कर उसकी जड़ों को गौर से देखिए। कितने उत्साह के साथ जमीन के अंदर गहराई में जड़ों को फैलाकर वह धरती में टिकी होती है। आपकी छत के ऊपर जरा-सी मिट्टी और थोड़ी नमी मिल जाए तो कोई घास खुद को वहां खड़ा करने की कोशिश करेगी। दो पत्ते पैदा करके सूर्य की ऊर्जा पाने की कोशिश करेगी। यह प्राणशक्ति ऊबना नहीं जानती। मनुष्य के संकीर्ण मन में ही गुस्सा, झुंझलाहट और नाउम्मीदी पैदा होती है। खुद को ''पस्त' होने की इजाजत देने वाला प्राणी इंसान ही है। आपकी इच्छा के मुताबिक किसी ने व्यवहार नहीं किया। आपकी उम्मीद के अनुसार कोई काम नहीं हुआ। सरल शब्दों में कहें तो आपको जो हासिल हुआ है, उसे स्वीकार करने में असमर्थ होकर आप मन ही मन नफरत करते हैं, विरोध करते हैं। मुझसे किसी ने पूछा,''हार को न झेल पाने की वजह से मन में निराशा और खीझ आने पर ही तो कामयाबी पाने की तड़प और आक्रोश पैदा होते हैं?' हार से गुस्सा आएगा, निराशा आएगी और ये आपको उठाकर विजय के द्वार पर पहुंचा देगी, यह हास्यास्पद विचार है। तड़प के बल से भले ही आप जीत हासिल कर लें, लेकिन वह नाममात्र की जीत होगी। उससे आपकी कोई भलाई नहीं होगी। पस्त होने के बाद आप चाहते हैं कि अगला आदमी आपके मन को समझे, दूसरे लोग आपके साथ बैठकर रोएं। कैसा पागलपन है ये? ऐसी उम्मीद करना कहां का न्याय है कि दुनिया आपका मन रखने के लिए अपने साथ ठगी करे? निराशा आत्मविास को ध्वस्त कर देती है। हथियार लेकर बाहर से हमला करने वालों से तत्काल आफत आ सकती है। उसी समय सही रणनीति बनाकर उनसे निपटना भी आसान है। लेकिन मन की निराशा जो है, अंदर बैठी हुई वह आपको चीर-कुतरकर बरबाद करने वाले विषैले हथियार के समान है।

''टेस्ट केसेस'

हकीकत यह है कि ये कंपनियां कार्य करती ही नहीं थीं और एक खोल के रूप में अस्तित्व में थीं, जिन्हें ``शेल कंपनी `` कहा जाता है। इनमें से ज्यादातर कंपनियां अपना लेखा जोखा रजिस्ट्रार ऑफकंपनीज को पिछले तीन साल से नहीं दे पायीं थीं। इस कमी को आधार बना कर इनको रिकॉर्ड में से समाप्त किया गया। इसके अलावा, लगभग उनके तीन लाख नौ हजार डायरेक्टर भी अयोग्य किए गए हैं। यह संभव हुआ उन आंकड़ों का संज्ञान लेकर जो कि सरकार को नोटबंदी के उपरांत बैंकों से प्राप्त हुए। यह आंकड़े दर्शाते हैं कि लगभग 58000 खातों द्वारा 17000 करोड़ की रकम को अवैध रूप से जमा किया गया एवं निकाला गया। देश में अच्छे स्वतंत्र डायरेक्टर उपलब्ध नहीं है और फर्जी डायरेक्टरों की भरमार है। यह सब कुछ ऐसा है कि मानो शेर को जंगल में शिकार नहीं मिला हो और वह गांव पर हमला कर दे या किसी शिकारी की नजरों से अगर देखा जाए तो यह प्रक्रिया शुरू में चारे को डाल कर शिकार पकड़ने वाली प्रक्रिया थी।

सतीश पेडणोकर

कोर्ट सिर्फ पोस्टमॉर्टम के लिए ही न हों। उसे न केवल फ्रॉड एवं भ्रष्टाचार के अपितु अच्छे खातों में भी ''टेस्ट केसेस' के तौर पर झांकने का अवसर मिले। आखिरकार अब सीवीसी ने 2001 से आज तक हुए फ्रॉडस की रिपोर्ट मांगी है। तीन करोड़ रुपये से ऊपर के इन फ्रॉडों की संख्या काफी ज्यादा होगी और इसके उद्देश्य क्या है, यह अभी स्पष्ट नहीं है। हालांकि इसे एक पैटर्न की स्टडी के लिए डाटा मांगना कहा जा रहा है मगर इसके कई और आयाम हैं। धन के खिलाफ कार्रवाई के क्रम में सरकार ने दो लाख चौबीस हज़ार कंपनियों को रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज के रिकॉर्ड में से समाप्त कर दिया है। इसका मतलब है कि उनका अस्तित्व अब नहीं रहा और वह अब अपने कार्य को नहीं कर सकती। हकीकत यह है कि ये कंपनियां कार्य करती ही नहीं थीं और एक खोल के रूप में अस्तित्व में थीं, जिन्हें ''शेल कंपनी '' कहा जाता है। इनमें से ज्यादातर कंपनियां अपना लेखा जोखा रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज को पिछले तीन साल से नहीं दे पायीं थीं। इस कमी को आधार बना कर इनको रिकॉर्ड में से समाप्त किया गया। इसके अलावा, लगभग उनके तीन लाख नौ हजार डायरेक्टर भी अयोग्य किए गए हैं। यह संभव हुआ उन आंकड़ों का संज्ञान लेकर जो कि सरकार को नोटबंदी के उपरांत बैंकों से प्राप्त हुए। यह आंकड़े दर्शाते हैं कि लगभग 58000 खातों द्वारा 17000 करोड़ की रकम को अवैध रूप से जमा किया गया एवं निकाला गया।

देश में अच्छे स्वतंत्र डायरेक्टर उपलब्ध नहीं है और फर्जी डायरेक्टरों की भरमार है। यह सब कुछ ऐसा है कि मानो शेर को जंगल में शिकार नहीं मिला हो और वह गांव पर हमला कर दे या किसी शिकारी की नजरों से अगर देखा जाए तो यह प्रक्रिया शुरू में चारे को डाल कर शिकार पकड़ने वाली प्रक्रिया थी, जो बाद में अब ढोल बजा के शिकार को मांद में से निकालने सरीखी है। मगर रास्ता चाहें जो भी अपनाया जाएं; असल बात तो टैक्स चोरी को रोकना एवं निष्क्रिय धन को आर्थिक विकास की मुख्यधारा में लाने की है। इस प्रयास में सरकार तरह-तरह के उपाय कर रही है। अभी हाल ही में एक बड़ी आईटी कंपनी को काफी बड़ा ठेका (लगभग 600 करोड़ रुपये का) सोशल मीडिया इंटेलिजेंस द्वारा कर चोरी का पता लगाने के लिए दिया गया है। इतना सब प्रयास इसलिए करने पड़ रहे हैं कि ''जुगाड़' हम भारतीयों की नस-नस में है । स्टार्टअप या एप भी इसी ''जुगाड़' का प्रतिरूप हैं। अपनी इस प्रतिभा का प्रदर्शन नोटबंदी के दौरान लोगों ने बैंक वालों की मदद से खूब किया। कस्टमर को भगवान मानने की हिदायत वाले पोस्टर बैंकों में लगे ही हुए थे और इस बात को समझने में कहीं-कहीं बैंक वालों से भी भूल हुई की वे रातों-रात इनकम टैक्स अधिकारी बन चुके थे। खैर! जो हुआ सो हुआ, मगर अब जो आगे-आगे हो रहा है वह क्रांतिकारी ही कहा जाएगा। आज तक किसी ने कंपनियों से नहीं पूछा था, जब तक की वह कोई ऋण लेने किसी वित्तीय संस्था के पास न जाएं, कि आप के ''मेमोरेंडम ऑफ एसोसिएशन' एवं ''आर्टिकिल्स ऑफ एसोसिएशन' का पालन कर भी रही है कि नहीं कर रहीं। रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज की हैसियत एक जनम-मरण पंजीकरण कार्यालय से अधिक कभी महसूस नहीं की गई थी। परन्तु इस तरह का बड़ा कदम उठा कर सरकार ने इस ओर बरती जाने वाली उदासीनता को एक झटके में समाप्त किया है। वहीं, हमारे देश की दिलचस्प बात यह है कि यहां कई कानूनों का उद्देश्य कुछ और होता है मगर उनका इस्तेमाल किसी और ही एरिया में होने लगता है। उदाहरण के लिए बीआईएफआर (बोर्ड फार इंडस्ट्रियल एंड फाइनेंसियल रकिंस्ट्रक्शन) का उपयोग कंपनियों ने बीमार व्यवसाय को ठीक करने के लिए हुआ था। किंतु कंपनियों ने बोर्ड के अधिकारियों के साथ तालमेल मिला कर अपने आपको अन्य कानूनों के अंतर्गत वसूली प्रक्रियाओं से बचाने के लिए इसका उपयोग किया। सरकार ने इसका संज्ञान लिया और अब बोर्ड को समाप्त कर दिया गया है। इसी प्रकार ''सिक्योरिटाइजेशन एंड रिस्कंस्ट्रक्शन ऑफ फाइनेंशियल एसेट्स एंड एनफोर्समेंट ऑफसिक्योरिटी इंटरेस्ट्स (सरफेसी एक्ट) कानून' एक नये प्रकार की फंडिंग प्रोडक्ट्स के उद्देश्य से किया गया था। मगर इस कानून का उपयोग रिकवरी के लिए ही हुआ। इधर भी कोई-न-कोई जुगाड़ एवं मिलीभगत के चलते ऋण वसूली में कोई खास सफलता हाथ नहीं लगी वरना जब ये कानून आया था तो लगता था अब बैंकों के ऋण वसूल हो जाया करेंगे मगर ऐसा नहीं हुआ। आज पूरी पग्राली सक्रिय है। नये-नये कानून आ रहे हैं। हालांकि कुछ नये कानून अभी मीडिया का उतना ध्यान आकर्षित नहीं कर पा रहे जितना कि ''जीएसटी' ने किया। ऐसा ही एक कानून है ''इन्सोल्वेंसी एंड बैंकरप्सी कोड'। दिलचस्प बात है कि इस कानून को ''इज ऑफ डूइंग बिजनेस' के लिए लाया गया, मगर इसका पूरा इस्तेमाल सिर्फ रिकवरी के लिए ही किया जा रहा है। कॉर्पोरेट लेनदारों को इस कानून के अंतर्गत अधिकार दिए गए हैं और दीदार को भी अधिकार दिया गया है कि वह भी अपने व्यवसाय के न चलने की स्थिति में आसानी से व्यवसाय बंद कर सकते हैं। मगर एग्जिट मामलों की संख्या लगभग नगण्य है और दूसरे दाखिल मामलों की संख्या 18000 की संख्या को पार करती दिख रही है। यहां एक बात पर गौर करना आवश्यक होगा कि विकसित अर्थव्यवस्थाओं में इससे मिलते-जुलते कानूनों में, जैसे कि अमेरिका में सिर्फ देनदार को ही एग्जिट का अधिकार है। यहां सरकार ने चतुराई दिखाई ''इज ऑफ डूइंग बिजनेस' की रैंकिंग में छलांग भी लगा ली और बैंकों को एक हथियार भी पकड़ा दिया। वैसे देखा जाए तो ऋण की वसूली ऋण देते वक्त ही सुनिश्चित की जाती है तो बैंकों को कानून ही कानून क्यों दिए जाते हैं रिकवरी के लिए? हम एक बात इस सब कानूनों के जंजाल में भूल रहे हैं कि ऋण की उगाही बिना कानूनी प्रक्रिया के सुनिश्चित की जानी चाहिए। ऐसा तभी संभव है जब ऋण देते समय बिजनेस की ताकत एवं प्रक्रिया में ईमानदारी एवं पारदर्शिता का कड़ाई से पालन हो। क्यों न इसके लिए एक स्वतंत्र संस्था हो जो केस को कभी भी जांच के लिए मंगा सके। कोर्ट सिर्फ पोस्टमॉर्टम के लिए ही न हों। मतलब यह कि न केवल फ्रॉड एवं भ्रष्टाचार के अपितु अच्छे खातों में भी ''टेस्ट केसेस' के तौर पर झांकने का अवसर मिले। आखिरकार अब सीवीसी ने 2001 से आज तक हुए फ्रॉडस की रिपोर्ट मांगी है। तीन करोड़ रुपये से ऊपर के इन फाड़ों की संख्या काफी ज्यादा होगी और इसके उद्देश्य क्या है, यह अभी स्पष्ट नहीं है। हालांकि ऊपरी तौर पर कहा जा रहा है कि एक पैटर्न की स्टडी के लिए यह डाटा मांगा जा रहा है मगर इसके कई और आयाम हैं।

चलते चलते

''प्रभुवर्ग'

दुनिया की प्रभावशाली हस्तियों का जमावड़ा है। जिनकी लिखी 140 शब्दों की संक्षिप्त टिप्पणी खबर बनती है और बहस का विषय भी। बिहारी ने कई बरस पहले लिखा था, ''देखन में छोटन लगे, घाव करे गंभीर'। यानी छोटे में कही गई बात ज्यादा मारक होती है। निःसंदेह 140 शब्दों की सीमा ने ट्विटर को लोकप्रिय बनाने में अहम भूमिका निभाई। एक तबका 140 शब्दों की सीमा का आलोचक भी रहा। वह इसे ''दमघोंटू' बताते रहे।

दुनिया के सबसे प्रभावशाली सोशल मीडिया प्लेटफार्म में शुमार किया जाता है। यहां बड़ी तादाद में दुनिया की प्रभावशाली हस्तियों का जमावड़ा है। जिनकी लिखी 140 शब्दों की संक्षिप्त टिप्पणी खबर बनती है और बहस का विषय भी। बिहारी ने कई बरस पहले लिखा था, ''देखन में छोटन लगे, घाव करे गंभीर'। यानी छोटे में कही गई बात ज्यादा मारक होती है। निःसंदेह 140 शब्दों की सीमा ने ट्विटर को लोकप्रिय बनाने में अहम भूमिका निभाई। एक तबका 140 शब्दों की सीमा का आलोचक भी रहा। वह इसे ''दमघोंटू' बताते रहे। शायद, आलोचना-समालोचना के दायरे से ट्विटर खुद निकल कर चहचहाना चाहता था। सो उसने शब्दों की सीमा को अब दोगुना कर दिया है। बिंदास 280 शब्द। मगर उपयोगकर्ताओं ने इस तब्दीदी की तीखी आलोचना शुरू कर दी है। बड़ी संख्या में उपयोगकर्ताओं ने बकायदा ट्विटर पर ही हैशटैग चलाकर अपना विरोध दर्ज कराया। शब्दों की समय सीमा को लेकर बहस काफी दिनों से चल रही थी। देर-सबेर इसमें बदलाव होने की संभावना भी थी। दरअसल, विरोध करनेवालों की दलील है कि ट्विटर ने यह कदम फेसबुक को ध्यान में रख कर उठाया है। फेसबुक पर शब्दों का बंधन नहीं है। उनकी राय में ट्विटर को फेसबुक के रास्ते नहीं जाना चाहिए। बात सही भी है। क्योंकि फेसबुक के मुकाबले ट्विटर की अपनी विशिष्टता रही है। वहीं ट्विटर का भी अपना पक्ष है। उसके अनुसार अंग्रेजी भाषा में लिखे जाने वाले 9 फीसद ट्वीट्स में 140 अक्षरों का ही इस्तेमाल हो पाता है। इसी रोक की वजह से यूजर्स ज्यादातर समय ट्वीट संपादित करने में व्यस्त रहते हैं या उसे भेजते ही नहीं। इस बदलाव के बाद कंपनी को आशा है कि अब ज्यादा संख्या में लोग इस प्लेटफार्म से जुड़ेंगे। और उपयोगकर्ताओं की संख्या भी बढ़ेगी। इसके साथ ''प्रभुवर्ग' का माध्यम होने के आरोप से निकलने की कवायद भी दिखती है। वैसे इसका आकलन तो बाद में होगा क्योंकि फेसबुक के उपयोगकर्ताओं को अपने पाले में लाना इतना आसान नहीं है। कहीं ट्विटर को यह फैसला उल्टा न पड़ जाए?

मुद्दा

टी-20 सीरीज

भारतीय कप्तान विराट कोहली का सितारा आजकल बुलंदी पर है। इस कारण सफलताएं भी उनके नाम के साथ जुड़ती चली जा रहीं हैं। अब वह न्यूजीलैंड के खिलाफ पहली टी-20 सीरीज जीतने वाले भारतीय कप्तान भी बन गए हैं। इंद्र देवता की मेहरबानी से पिछली ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी-20 सीरीज में एक-एक से बराबरी रह गई थी। इस सीरीज के तीसरे मैच में भी बारिश के कारण काफी समय तक लगता रहा कि मैच शायद ही हो पाए। पर आखिर में आठ-आठ ओवर के मैच में भारत ने छह रन से विजय पाकर सीरीज पर कब्जा जमा लिया। विराट कोहली और रवि शास्त्री का कप्तान और कोच का तालमेल बनने के बाद से भारतीय टीम बुलंदी की तरफ बढ़ रही है। टीम टेस्ट रैंकिंग में नंबर एक पर है, वनडे में दक्षिण अफ्रीका के बराबर 120 रेटिंग अंक लेकर दूसरे स्थान पर है। पर विराट और शास्त्री की जोड़ी टी-20 में पांचवीं रैंकिंग को सुधार दे तो भारत का विश्व क्रिकेट पर दबदबा बन सकता है। हां, इतना जरूर है कि न्यूजीलैंड टीम इंडिया की अच्छे से परीक्षा लेने में सफल रही। वह अनुकूल स्थितियों में खेलने पर हम पर भारी पड़ सकती है, इस बात का उसने अहसास जरूर करा दिया है। भारतीय टीम तीनों फाम्रेट में संतुलित नजर आती है। इस टीम में कोहली का आगे बढ़कर नेतृत्व, रोहित शर्मा और शिखर धवन की दमदार ओपनिंग जोड़ी, भुवनेश्वर कुमार और जसप्रीत बुमराह की पेस जोड़ी के साथ हार्दिक पांडया का ऑलराउंड तड़का विजेता का स्वरूप प्रदान करता है। रोहित और शिखर की जोड़ी को हम दुनिया की बेहतरीन ओपनिंग जोड़ियों में शुमार कर सकते हैं। वहीं बुमराह और भुवनेश्वर ने डेथ ओवर्स में बल्लेबाजों को बांधने की कला विकसित करके दुनियाभर के बल्लेबाजों पर कहर बरपाया हुआ है।

वहीं पांडया के रूप में देश को ऐसा पहला पेस गेंदबाजी वाला ऑलराउंडर मिला है, जिसमें विशेषज्ञों को दूसरा कपिल देव दिखने लगा है। इस टीम की मजबूती को इससे समझा जा सकता है कि कुछ समय पहले तक सभी प्रारूपों में देश के सर्वश्रेष्ठ स्पिनर माने जाने वाले रविचंद्रन अश्विन और रविंद्र जडेजा पिछली तीन छोटे प्रारूप की सीरीज के लिए टीम में जगह तक नहीं पा सके हैं।

यजुवेंद्र चाहल, अक्षर पटेल और कुलदीप यादव स्पिन अटैक की जिम्मेदारी को बखूबी संभाला हुआ है। यही नहीं देश के सर्वश्रेष्ठ पेस गेंदबाज माने जाने वाले उमेश यादव और मोहम्मद शमी भी छोटे प्रारूप की टीम में स्थान नहीं बना सके हैं। मौजूदा समय में टीम प्रबंधन के पास इतने गेंदबाज हैं कि किसी के भी चोटिल होने पर उसे चिंतित होने की जरूरत नहीं रह गई है। यह जरूर है कि स्पिन अटैक में जडेजा के नाम पर वनडे और टी-20 मैचों में विचार नहीं करने वाला थोड़ा हैरानी वाला फैसला लगा। जडेजा नपे-तुले गेंदबाज हमेशा रहे हैं पर पिछले कुछ समय से विकेट भी लेने लगे थे, इसलिए उन्हें नहीं खिलाना थोड़ा खलता है। विराट सेना ने भले ही एक के बाद एक सफलताएं प्राप्त की हैं। पर इस टीम में कुछ खामियां भी हैं। धोनी के चयन को वनडे टीम में में सही ठहराया जा सकता है। लेकिन टी-20 क्रिकेट के बारे में ऐसा नहीं कहा जा सकता है। भारत राजकोट टी-20 मैच में धोनी के कमजोर प्रदर्शन की वजह से लड़ाई में आ ही नहीं सका। यह सही है कि कप्तान कोहली मजबूती से धोनी के साथ खड़े हैं।

भारत को श्रीलंका से सीरीज खेलने के बाद इस साल ही दक्षिण अफ्रीका जाकर उनसे सीरीज खेलनी है। सही मायनों में विराट सेना की ताकत का इसी से अंदाजा लगेगा। इसके बाद विश्व कप से पहले भारत को इंग्लैंड में भी सीरीज खेलनी है।

वनडे और टी-20 टीम में लंबे समय तक चौथे और पांचवें नंबर पर युवराज सिंह और सुरेश रैना बल्लेबाजी करते रहे। इन दोनों के बाद तमाम बल्लेबाजों को आजमाया जा चुका है। लेकिन कोई भी संतुष्ट करने में सफल नहीं रहा है। इन खामियों को द. अफ्रीका दौरे से पहले दूर करने की जरूरत है।

भ्रष्टाचार पर प्रहार

आभा स्वामी

भारत में बहुत-से लोगों को लग सकता है कि यह दूर की खबर है, लेकिन सऊदी अरब में 11 शहजादों, चार मंत्रियों और अनेक पूर्व मंत्रियों की गिरफ्तारी ऐसी घटना है, जिससे अपने यहां भी सीख ली जा सकती है। ये कार्रवाई शाही आदेश से भ्रष्टाचार विरोधी समिति के गठन के कुछ ही घंटों के बाद हुई। ये समिति क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान की अध्यक्षता में बनी है। 32 वर्षीय क्राउन प्रिंस सलमान ने अपनी छवि एक सुधारक की बनाई है। सामाजिक जीवन में उनकी पहल पर कई उदारवादी फैसले लिए गए हैं। इनमें महिलाओं को ड्राइविंग की मिली छूट भी शामिल है। अब उन्होंने भ्रष्टाचार के खिलाफ मुहिम छेड़ी है। इसकी शुरुआत उन्होंने बेहद रसूखदार लोगों के खिलाफ कठोर कदम उठाते हुए की। इस पर ध्यान दिया जाना चाहिए। अक्सर छवि निर्माण में लगे शासक निम्नस्तरीय अधिकारियों या छोटे-मोटे व्यवसायियों पर कार्रवाई करके प्रचार पाने की कोशिश करते हैं। लेकिन क्राउन प्रिंस सलमान ने शुरुआत अपने सऊदी राजपरिवार से जुड़े लोगों से की। राजपरिवार के गिरफ्तार हुए सदस्यों में अरबपति शहजादे अलवलीद बिन-तलाल भी हैं। सऊदी अरब लोकतांत्रिक देश नहीं है। माना जाता है कि लोकतंत्र में उच्च-पदस्थ अधिकारियों की जवाबदेही तय रहती है। वहां पारदर्शिता होती है, इसलिए भ्रष्टाचार की गुंजाइश कम होती है। जबकि राजतंत्र या तानाशाही व्यवस्थाओं में शासक निरंकुश होते हैं, अत: वे मनमर्जी चलाते हैं। लेकिन सऊदी अरब की ताजा मिसाल और चीन के हालिया घटनाक्रम को सामने रखें, तो इस धारणा पर पुनर्विचार की जरूरत पड़ सकती है।

पांच साल पहले देश की कमान संभालने के बाद चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने भ्रष्टाचार के खिलाफअपना बहुचर्चित अभियान शुरू किया। उन्होंने बाघ और मक्खियों (यानी उच्च या निम्न पदस्थ भ्रष्टाचारियों) दोनों को ही ना बख्शने का इरादा जताया। आम राय है कि उनका अभियान काफी प्रभावी रहा है। दरअसल, चीन की सत्ता पर उनकी पकड़ मजबूत होने का यह भी एक बड़ा कारण है। ये बात शी के संदर्भ में कही गई और अब क्राउन प्रिंस सलमान के मामले में भी दोहराई जा रही है कि असल में ये नेता अपनी सत्ता मजबूत करने और अपने विरोधियों को निपटाने के मकसद से भ्रष्टाचार विरोधी मुहिम चला रहे हैं। संभव है कि इसमें कुछ सच्चाई हो। ऐसी खबरें आई थीं कि क्राउन प्रिंस की बढ़ती ताकत से सऊदी राजपरिवार में असंतोष है। इसके बावजूद इतनी बड़ी कार्रवाई को महज सत्ता-संघर्ष का परिणाम नहीं माना जा सकता।

कदम मजबूत इरादे वाले नेता ही उठा पाते हैं। भारत जैसे देशों के लिए इसमें एक सबक छिपा है। अपनी लोकतांत्रिक परंपरा पर गर्व करते हुए भी हमें अक्सर ये अफसोस होता है कि अपने यहां भ्रष्ट नेताओं या कारोबारियों का असल में कुछ नहीं बिगड़ता। कई मामलों में सरकारों की अनिच्छा, तो कुछ मामलों में धीमी न्यायिक प्रक्रिया के कारण ऐसा होता है। इसकी भारी कीमत जनता चुकाती है। क्या यह संभव नहीं है कि लोकतंत्र को कायम रखते हुए भी हम चीन या सऊदी अरब जैसा भ्रष्टाचार विरोधी अभियान अपने देश में भी चला सकें?

प्याज-टमाटर के जमाखोरों पर हो सख्त कार्रवाई, योगी ने सभी जिलों के डीएम को दिए आदेश

लखनऊ. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को प्रदेश की विभिन्न मंडियों में सब्जियों के बाजार भाव की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने प्रदेश के सभी जिलों के डीएम को निर्देश देते हुए कहा कि वे प्याज और टमाटर की बढ़ती कीमतों पर लगाम लगाएं। सीएम योगी ने कहा- ''किसी भी स्तर पर बिचौलियों के द्वारा स्टॉक इकट्ठा न किया जाए, जिससे बाजार भाव बढ़ने की आशंका हो। योगी ने अधिकारियों को आदेश दिए हैं कि जमाखोरों और मुनाफाखोरों के खिलाफ अभियान चलाकर सख्त कार्रवाई करें। संबंधित विभाग भी प्याज और टमाटर सहित अन्य सब्जियों की मुनाफाखोरी, जमाखोरी और उनके दामों पर नियंत्रण के लिए सतर्कता बरतें।

भारत सरकार के कृषि मंत्रालय एवं खाद्य मंत्रालय से प्याज के आयात द्वारा आपूर्ति सुनिश्चित करने की व्यवस्था करने की स्थिति में उत्तर प्रदेश के लिए भी आपूर्ति करने पर कार्यवाही किए जाने का अनुरोध किया जाए।

प्रदेश में हैं निकाय चुनाव

निकाय चुनाव की तारीख जैसे-जैसे नजदीक आ रही है। वैसे-वैसे प्याज और टमाटर की कीमतों में लगातार इजाफा हो रहा है। प्याज-टमाटर जनता की आम जरूरतों में से एक हैं।

मुख्यमंत्री ने जिलाधिकारियों को निर्देश दिया है कि यह सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी स्टॉक को डंप न कर सके। मुख्यमंत्री ने कहा है कि अगर जरुरत पड़ी तो केंद्र से प्याज और टमाटर की आपूर्ति के लिए अनुरोध भी करेंगे।

सख्त कार्रवाई के आदेश

योगी ने कहा कि राज्य सरकार जनता को राहत पहुंचाने के लिए अपने स्तर से हर संभव और जरूरी उपाय कर रही है। उन्होंने अधिकारियों को जमाखोरों और मुनाफाखोरों के खिलाफ अभियान चलाकर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

इस वर्ष नवंबर में टमाटर का औसत थोक बाजार भाव 2500 रुपये से 3000 रुपये प्रति क्विंटल तथा फुटकर बाजार भाव 40 से 50 रुपये प्रति किलोग्राम है।

'लोटा' लेकर निकले थे खुले में, आ गई मुसीबत और ऐसे होना पड़ा 'हल्का'

आगरा. यूपी के ताज नगरी में नगर निगम ने स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत शुक्रवार को एक अभियान चलाया है। इस अभियान में 6 लोगों की टीम बनाई गई। जिसमें क्षेत्रीय नगर निगम स्पेक्टर सहित 5 सुपरवाइजर शामिल रहें। जिसमें खुले में शौच करने वाले व्यक्तियों की धर पकड़ कर कान पकड़कर उठक बैठक करवाई। इसके अलावा कई लोगों से जुर्माना भी वसूला गया।

यहां नगर निगम ने खुले में शौच कर रहे लोगों से जुर्माना वसूला गया। कई लोगों ने रूपए देने से मना किया तो नगर निगम इंस्पेक्टर ने उनसे उठक-बैठक करवाना शुरू कर दिया। मुख्य पर्यावारण अधिकारी संजीव प्रधान ने कहा, ''स्वच्छता अभियान के तहत यह कार्रवाई की जा रही है। इसमें 50 रुपए जुर्माने का प्रावधान है। क्षेत्र में जगह-जगह शौचालय बनाए गए हैं लेकिन यह लोग उनमें शौच न करके खुले में शौच करते हैं।''

'इससे कई तरह की बीमारियां पनपती है। इस अभियान का एक ही उद्देश्य है कि आने-जाने वाले किसी राहगीरों को गंदगी का सामना न करना पड़े। ''नगर निगम द्वारा इस तरह के अभियान आगे भी चलते रहेंगे। नगर निगम का उद्देश्य अपने शहर को स्वच्छ व साफ-सुथरा बनाने का है। नगर निगम ने 8 नवम्बर की कार्रवाई में कोठी मीणा बाजार से 550 रुपए वसूले थे। उनमें से एक नगर निगम का कर्मचारी भी था।

- ''अब तक करीब 600 लोगो पर कार्रवाई की गई है। अधिकांश के पास मौके पर पैसे नही होते हैं। इसलिए उनको सजा देकर और शपथ दिला कर छोड़ दिया गया है।''

एक बार मोहम्मद साहब पर फिल्म बनाएं भंसाली, औकात पता चल जाएगी: सांसद

उन्नाव.बीजेपी के फायर ब्रांड नेता और जिले से सांसद साक्षी महाराज एक बार फिर से अपने बयान को लेकर चर्चा में आ गए हैं। इस बार उन्होंने बॉलीवुड फिल्म पद्मावती को लेकर इसके डायरेक्टर संजय लीला भंसाली को चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि भंसाली एक बार मोहम्माद साहब पर फिल्म बनाकर दिखाएं, उन्हें उनकी औकात पता चल जाएगी...

'हिंदूस्तान की शान हैं पद्मावती'

शुक्रवार को पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा, रानी पद्मावती हिन्दुस्तान की जान हैं और जौहर की महारानी हैं, उनके ऊपर इस प्रकार से फिल्म बनाकर नोट कमाना हिन्दू भावना के साथ खिलवाड़ करना है। मैं इसका विरोध करता हूं। उन्होंने कहा, मैं भंसाली से ये कहना चाहूंगा कि एक फिल्म मोहम्माद साहब पर बनाकर दिखाएं तो उनको अपनी औकात पता चल जाएगी।

बता दें कि एक दिसंबर को रिलीज होने फिल्म पद्मावती की

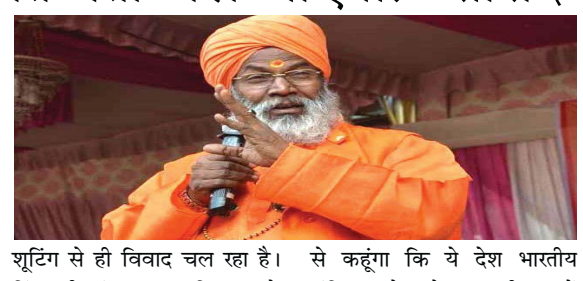

शूटिंग से ही विवाद चल रहा है। हिंदूवादी संगठन इस फिल्म को रानी पद्मावती का अपमान बता रहे हैं, जबकि फिल्म के निर्देशक कह चुके हैं कि इसमें रानी की बदनामी करने जैसे कुछ नहीं है। वहीं, अपने बेबाक बयानों को लेकर हमेशा सुर्खियों में छाए रहने वाले बीजेपी सांसद साक्षी महाराज ने इस विवाद को और हवा दे दी है।

'फतवों से नहीं चलेगा देश'

उधर, रांची की मुस्लिम योगा टीचर रफिया नाज के खिलाफ मुस्लिम संगठनों के फतवे पर उन्होंने कहा, पीएम ने विश्व के स्वास्थ्य की चिंता की और योग दिवस स्वीकृत हुआ और उस प्रस्ताव पर 49 मुस्लिम देशों ने भी हस्ताक्षर किया। मैं फतवा जारी करने वालों से कहूंगा कि ये देश भारतीय संविधान से चलेगा ना की फतवों से। वहीं, धारा 370 और 35 ? पर पूछे गए सवाल पर साक्षी महाराज ने कहा, अलगावादी नेताओं को सुप्रीम कोर्ट पर विश्वास नहीं है। संविधान पर भी भरोसा नहीं है। ऐसे लोगो को हिन्दुस्तान में रहने की जरुरत नहीं है।

'प्रदूषण के लिए केजरीवाल जिम्मेदार'

इसके साथ ही साक्षी महाराज ने दिल्ली में हो रहे भयंकर प्रदूषण पर दिल्ली के सीएम केजरीवाल पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, प्रदूषण के लिए केजरीवाल जिम्मेदार हैं और अगर वो इसे नियंत्रित नहीं कर सकते तो इस्तीफा दे दें।

सेना के पास हथियारों की कोई कमी नहीं, हर तरह से जवाब देने को हैं तैयार: थल सेनाध्यक्ष

वाराणसी. भारत के थल सेनाध्यक्ष जनरल बपिनि रावत अपने फैमलि के साथ गुरुवार की शाम वाराणसी पहुंचे। वश्वि प्रसद्धि गंगा आरती में भी शामलि हुए। शुक्रवार की सुबह वह बाबा वश्विनाथ के दर्शन करने के बाद सीधे कैंटोनमेंट पहुंचे। यहां 39 जीटीसी में 9 जीआर के 200वीं वर्षगांठ पर बतौर मुख्य अतथि शामलि हुए। इस दौरान उन्होंने कहा, ''देश की सेना के पास हथियारों की कोई कमी नहीं है। मॉडर्न टेक्नोलॉजी के आर्मस भी अपग्रेड हो रहे हैं। हमें अपने हथियारों की टेक्नोलॉजी को बदलते वक्त के साथ मॉडर्न करते रहना होगा। सेना को इस मॉर्डन टेक्नोलॉजी से से लैस करना होगा, तार्कि हम दुश्मनों से लोहा ले सकें।''बपिनि रावत कहा, ''वर्तमान में सेना हर तरह से जवाब देने के लिए तैयार है और किसी भी तरह के हमले से किसी को भी डरने की जरूरत नहीं है।'' -उन्होंने कहा, ''इस समारोह में शामिल होना भाग्यशाली है। रेजीमेंट ने 200 सालों में इतिहास रचा है। 39 जीटीसी ने देश के लिए बहुत कुछ किया है।''

-''कश्मीर में हमारे जवान बीएसएफ और जम्मू पुलिस सेना एकजुट होकर कार्यवाही कर रहे हैं। पत्थरबाजी में काफी कमी आई है। कश्मीर की यह समस्या एक रात में हल नहीं होती। इंटेलिजेंस और सुरक्षा जवान भी कार्यवाही कर रही हैं।

-''हमारी कोशिश यही है कि स्थति सामान्य रहे। डोकलाम में भी स्थति सामान्य है।''

-फील्ड मार्शल केएम करियप्पा को भारत रत्न देने के सवाल पर रावत ने कहा, इस बारे में भारत सरकार जो भी तय करेगी, वह मान्य होगा।

पार्टी को लेकर दुखी हुए शिवपाल यादव, बोले- मैं केवल सपा विधायक हूं

उन्नाव. जिले में गुरुवार को पूर्व कैबिनेट मंत्री शिवपाल यादव एक पेट्रोल पम्प के उद्घाटन समारोह मे पहुंचे थे। इस दौरान प्रेस वार्ता करते हुए उन्होंने कहा कि वह केवल सपा विधायक हैं। साथ ही, कहा कि भाजपा विधानसभा चुनाव में किस प्रकार जीती है ये किसी से छुपा नहीं है। प्रदेश के पूर्व कैबिनेट मंत्री शिवपाल यादव ने शहर के गोसाईखेड़ा में स्थित दिव्यांशी पेट्रोल पंप का फीता काटकर शुभारंभ किया।

आज से शुरू हुआ लखनऊ लिटरेरी फेस्टिवल, लगा सितारों का जमावड़ा

लखनऊ. राजधानी के शिरोज हैंगआउट में लखनऊ लिटरेरी फेस्टिवल के पांचवे संस्करण का 10 नवंबर से आगाज होगा गया है। यह फेस्टिवल 12 नवंबर तक चलेगा। इसमें साहित्य से लेकर सिनेमा और मीडिया जगत के दिग्गज शामिल होंगे। वहीं, राजनीति के चर्चित चेहरे भी इसमें अपनी लिखी पुस्तकों के विषय मे बात करेंगे। बता दें, फेस्टिवल की थीम एसिड अटैक सर्वाइवर को समर्पित किया गया है। - इस बार का लखनऊ लिटरेरी फ्रेस्टिवल हर साल की तरह कुछ नया लेकर आया है। इसमें साहित्य से लेकर सिनेमा और मीडिया जगत के दिग्गज शामिल होंगे।

वहीं, राजनीति के चर्चित चेहरे भी इसमे अपनी लिखी पुस्तकों के विषय मे बात करेंगे। एसिड अटैक सर्वाइवर और छांव फाउंडेशन की संस्थापक लक्ष्मी अग्रवाल इस फेस्टिवल का हिस्सा बनी हैं।

10, 11 और 12 नवंबर 2017 का इवेंट विवरण

इस समारोह में अभिनेत्री दिव्य दत्ता, कन्हैया कुमार, अभिसार शर्मा और शत्रुघ्न सिन्हा अपनी पुस्तक चर्चा करेंगे। वहीं, नंदिता पांडेय का टैरोटोलॉजी पर एक सेशन होगा।,

रवि किशन साहित्य और सिनेमा में भोजपुरी के योगदान पर चर्चा करेंगे। इस समारोह में असदुद्दीन ओवैसी, संपत सरल, मृदुला गर्ग, मीर का लखनऊ और कई अन्य शामिल होंगे।

बॉलीवुड से लेकर स्पोर्टस मैन, सबका होगा सेशन

बता दें, समारोह के माध्यम से दर्शकों को बॉलीवुड क्षेत्र के सेशन का हिस्सा बनने का अच्छा मौका मिलेगा।

संदीप नाथ (गीतकार, निर्देशक, स्क्रीन लेखक, निर्माता और लेखक) का सिनेमा और साहित्य पर एक सेशन होगा। वहीं, युवा राजनीतिज्ञ और साहित्यकार के सेशन में जयंत चौधरी सुनील सिंह साजन और अदिति सिंह शामिल होंगे।

गारबैज बिन (फैजल - शहानावाज), द लॉजिकल इंडियन (अनुराग मजूमदार), नजरबट्टू (अमीन), अंकित लाल (सोशल मीडिया हेड ए.ए.प और इंडिया सोशल पुस्तक के लेखक) का सोशल मीडिया पर एक सेशन होगा। स्पोर्टस के सेशन में आर.पी सिंह और सुरेश रैना के साथ अरुण पांडे (एमएस धोनी अनटॉल्ड स्टोरी के निर्माता) मौजूद होंगे। एसिड अटैक सर्वाइवर में लक्ष्मी अग्रवाल के साथ सुष्मिता सेन सेशन करेंगी। वहीं वरुण गांधी अपनी पुस्तक स्टीलनेस पर चर्चा करेंगे ।

बिहार

गधे को डीएम और एसपी का नेम प्लेट पहनाकर थियेटर वालों ने किया प्रदर्शन

सारण. सोनपुर मेला में आए थियेटर मालिकों को लोकल प्रशासन ने गुरुवार शाम को लाइसेंस दिया। इससे पहले थियेटर मालिक मेला में विरोध प्रदर्शन करते रहे। थियेटर वालों ने दो गधे के गर्दन में डीएम और एसपी का नेम प्लेट लटका दिया और विरोध प्रदर्शन करने लगे। नेम प्लेट के साथ दोनों गधे को मेला में घुमाया गया। आगे-आगे गधा चल रहा था और उसके पीछे लोगों का हुजूम। विरोध में बंद रहीं दुकानें...

सोनपुर मेला शुरू हुए एक सप्ताह बीत जाने के बाद भी सारण डीएम ने थियेटर मालिकों को लाइसेंस नहीं दिया था। थियेटर मालिकों और कलाकारों ने मंगलवार से विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया था। बुधवार को पुलिस ने हंगामा करने के आरोप में दो थियेटर मालिक और कई डांसरों को गिरफ्तार किया था।

इसके बाद सोनपुर मेला के दुकानदारों ने गुरुवार को अपनी दुकानें बंद रखी थी। इससे प्रशासन पर प्रेशर में आया और उसे लाइसेंस देना पड़ा।

नहीं जुट रही थी सोनपुर मेला में भीड़

सोनपुर मेला में अब हाथी नहीं आते, जिला प्रशासन ने चिड़िया बाजार पर पहले से रोक लगा रही है। थियेटर बंद होने के चलते मेला में आने वाले लोग बहुत कम हो गए थे।

लोगों के नहीं आने से दुकानदार परेशान थे। उन्होंने जमीन का बहुत अधिक रेंट देकर दुकान लगाया था, लेकिन बिक्री नहीं हो रही थी। थियेटर चालू होने के बाद मेले में एक बार फिर रौनक बढ़ने की उम्मीद जगी है।

प्रेमिका के बुलावे पर रात को मिलने आया प्रेमी, सुबह मिला शव

मोतिहारी.बिहार के मोतिहारी जिले में एक प्रेमिका ने अपने प्रेमी को रात में मिलने के लिए बुलाया। प्रेमी रात में आने से डर रहा था। वह बार-बार इनकार कर रहा था, लेकिन प्रेमिका के अधिक जोड़ देने पर वह मिलने आने को तैयार हुआ। प्रेमिका और उसके परिवार के लोग लड़के के आने का इंतजार कर रहे थे। शुक्रवार सुबह प्रेमी का शव मिला। प्रेमिका समेत तीन गिरफ्तार...

यह घटना बिहार के मोतिहारी जिले के चांदमारी मुहल्ले की है। मृतक संदीप कुमार एक कंपनी में एजेंट का काम करता था।

लोकल पुलिस के अनुसार संदीप का एक लड़की से कई साल से प्रेम प्रसंग चल रहा था।

तीसरी शादी करने के लिए पति ने पत्नी की हत्या, बच्चों ने कर दिया खुलासा

बिहारशरीफ. दो मासूम बच्चों के सामने ही नशे में धुत पति ने अपनी पत्नी की पत्थर और गैस सिलेंडर से कुचकर हत्या कर दी। मर्डर के बाद कृष्ण प्रसाद बच्चों को लेकर बाहर सोने चला गया। जब पिता के चंगुल से दोनों बच्चों छुटे तो पिता की करतूत लोगों को बताई। आरोपी तीसरी शादी करने के लिए पत्नी मंजू देवी को रास्ता से हटाना चाहता था। जिसके बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

आरोपी को ग्रामीणों ने पीटा...

यह घटना बिहार के नालंदा जिले के दीपनगर थाना के नवीनगर गांव में मंगलवार रात की है। इसका खुलासा बुधवार को हुआ।

घटना के बारे में बताया जा रहा है कि पत्नी तीसरी शादी में पति के लिए बाधक साबित हो रही थी। इस कारण उसे रास्ते से हटाया।

पत्नी की हत्या 8 साल की पुत्री और पांच साल बेटे के सामने कर दी। शव को अंधेरे कमरे में बंद कर आरोपी अपने दोनों बच्चों को लेकर गांव के स्कूल में सोने के लिए लेकर चला गया।

सुबह में बच्चे पिता की पकड़ से छूटे तो उन्होंने ग्रामीणों को रो-रोकर पिता की करतूत बताई। जिसके बाद ग्रामीणों ने घर का दरवाजा तोड़कर शव निकाला।

ग्रामीणों ने पति को पकड़कर उसकी पिटाई शुरू कर दी। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने पति को गिरफ्तार कर लिया।

गिरियक के मुस्तफापुर निवासी मृतका के पिता सुरेश महतो ने पति, ससुर सिद्धेश्वर महतो और देवर संजीव कुमार को आरोपित कर घटना की प्राथमिकी दर्ज कराई है। फरार ससुर और देवर की तलाश में पुलिस जुटी है।

बेटी ने कहा- बाबूजी ने मां को मार डाला

बच्चों ने बताया कि देर रात पिता नशे में धुत्त होकर घर आएं और मां को घर से भागने के लिए कहने लगे।

पिता ने कहा कि भागकर जाओगी तो तीसरी शादी करूंगा। इस बात को लेकर माता-पिता के बीच कहासुनी होने लगी।

इसके बाद पिता ने पत्थर और गैस सिलेंडर से मां का सिर कुचल दिया। खून से लथपथ मां को पिता ने कमरे में बंद कर बाहर से ताला लगा दिया।

40 लाख रुपए के कर्ज में था डायरेक्टर, इसलिए जान देने का लिया फैसला

पटना.भोजपुरी फिल्म डायरेक्टर शाद कुमार ने गुरुवार को सुसाइड कर लिया था। इस मामले में जानकारी मिल रही है कि उनके आत्महत्या के पीछे कर्ज का बोझ हो सकता है। शाद ने कर्ज के पैसे से फिल्म 'स्वर्ग' बनाया था। 60 लाख रुपए में बनी यह फिल्म 24 नवंबर को रिलीज होने वाली थी। फिल्म के रिलीज होने से पहले शाद को पता चल गया था कि इससे 20 लाख रुपए से अधिक की कमाई नहीं होगी। कर्ज के 40 लाख रुपए कैसे लौटाए जाएंगे इस बात को लेकर शाद डिप्रेशन में थे। सुसाइड के वक्त घर में अकेले थे शाद...

गुरुवार दोपहर को शाद घर में अकेले थे। उन्होंने उसी समय सुसाइड किया। शाद की पत्नी बेटी को स्कूल से लाने गई थी। जब वह लौटी तो देखा कि अंदर से दरवाजा बंद है, उसने आसपास के लोगों को इसकी जानकारी दी।लोगों ने घर का दरवाजा खोला तो देखा कि शाद कुमार फांसी से लटके हुए थे। घटना के बाद से शाद की पत्नी सदमे में है। रो रोकर उसका बुरा है। वहीं, बेटी बार बार अपने पिता को खोज रही है।

बेटी को बनाया था बाल कलाकार

शाद अपनी बेटी फरिया से सबसे अधिक प्यार करते थे। शाद की फिल्म 'भईल तोहरा से प्यार में' फरिया बाल कलाकार के रूप में काम कर रही थी। 28 जुलाई को शाद ने बेटी का जन्मदिन मनाया था। पार्टी में कई भोजपुरी एक्टर-एक्ट्रेस समेत इंडस्ट्री के कई लोग शामिल हुए थे।

बहुत अच्छे इंसान थे शाद

उनकी फिल्म 'भईल तोहरा से प्यार' में मैं एक्ट्रेस हूं। यह फिल्म जल्द रिलीज होने वाली थी।

इसको लेकर शाद से मेरी बात भी हुई थी। उन्होंने कहा था कि जल्द ही इसका डेट फाइनल करेंगे।

शाद सेट पर कभी सीरियस नहीं रहते थे वह सबको हंसाते रहते थे। फिल्म की शूटिंग के दौरान वह अपनी बेटी और पत्नी को भी लेकर आते थे।

कभी भी वह टेंशन में नहीं दिखते थे। न कभी किसी से अपनी परेशानी के बारे में कुछ शेयर करते थे।

तेजस्वी के सीएम उम्मीदवार बनाने के सवाल पर लालू ने कहा-समय आने पर होगा फैसला

पटना. लालू प्रसाद ने तेजस्वी को सीएम उम्मीदवार घोषित करने के सवाल पर लालू प्रसाद ने शुक्रवार को कहा कि समय आने पर चेहरा उजागर किया जाएगा। अभी वक्त है। इसको लेकर कोई मारा मारी थोड़े ही है। लालू ने राजगीर में होने वाले बिजली मंत्रियों के सम्मेलन रद्द होने पर सवाल खड़ा किया है। लालू ने पूछा कि आखिर ऐसी कौन सी बात थी जिसको लेकर सारी तैयारी करने के बाद अचानक रद्द कर दिया गया।

लालू ने कहा कि राजगीर जाने वाले रास्ते में एलईडी लाइट मुफ्त में फ्री में दिया गया।

सम्मेलन में मनोरंजन के लिए बॉलीवुड सिंगर सोनू निगम को बुलाया गया था। सोनू अपने पुरी टीम के साथ पटना के एक होटल में रुके है। अब देखा जा रहा है कि किस नेता के घर पर कार्यक्रम कराया जाए। यही नहीं खाने से लेकर गिफ्ट देने की भी तैयारी हो गई थी। इन सब पर सात करोड़ रुपए खर्च किया गया है।

हत्या कर युवक के शव को पेड़ से लटकाया

समस्तीपुर. बिहार के समस्तीपुर में एक युवक की हत्या कर दी गई। मर्डर के बाद हत्यारों ने युवक की लाश को पेड़ से लटका दिया। गुरुवार सुबह लोगों ने शव देखा। शव को गांव से दूर खेत में स्थित एक पेड़ से लटकाया गया था। वहां तक किसी गाड़ी के जाने का रास्ता नहीं था। शव को पेड़ से नीचे उतारने के बाद समस्या थी कि इसे रोड तक कैसे ले जाया जाए। इसके लिए गांव के चार युवक आगे आए। सभी ने शव के हाथ पैर पकड़े और उसे उठाकर सड़क तक ले गए। वीडियो मिक्सिंग करता था मृतक...

घटना समस्तीपुर जिले के मुफस्सिल थाने के जितवारपुर निजामत गांव की है। गुरुवार सुबह लोगों ने एक युवक का शव पेड़ से लटकता देखा। युवक की पहचान विभूतिपुर थाने के बेलसंडी गांव के सूरज राय के बेटे रमेश कुमार के रूप में की गई। वह विभूतिपुर के सिंघिया चौक पर वीडियो मिक्सिंग का काम करता था। वह जितवारपुर निजामत अपने एक दूर के संबंधी के यहां आया हुआ था।

पुलिस ने शव को जब्त कर सदर अस्पताल में पोस्टमार्टम कराया। इस मामले में पुलिस ने तत्काल यूडी केस दर्ज छानबीन में जुट गई है।

युवक की शादी पांच-सात साल पहले हुई थी। पत्नी से उसका संबंध ठीक नहीं चल रहा था।

टूटी है गर्दन के पीछे की हड्डी

शव का पोस्टमार्टम करने वाले सदर अस्पताल के डॉक्टर का कहना है कि युवक के गर्दन की हड्डी पीछे से टूटी हुई है।

आत्महत्या की स्थिति में गले के पास सामने की हड्डी टूटती है। युवक की जीभ भी निकली हुई नहीं थी। न उसके अंदरूनी अंग से कोई डिस्चार्ज हुआ था।

पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद ही कुछ कहा जा सकता है। आखिर हत्या है या आत्महत्या। वैसे दोनों पहलुओं को ध्यान में रख कर घटना की छानबीन कराई जा रही है।

खांडेला नागरिक परिषद का स्नेहमिलन कल

सूरत। खांडेला नागरिक परिषद की ओर से 12 नवंबर, रविवार को स्नेह मिलन समारोह का आयोजन किया जाएगा। मेहंदीपुर बालाजीधाम, न्यू सिटीलाईट रोड, सूरत में आयोजित होने वाले स्नेह मिलन समारोह में सास्कृतिक कार्यक्रम, म्मयुजिकल हाउजी, मैजिक सहित रंगारंग कार्यक्रमों की प्रस्तुति की जाएगी। कार्यक्रम की शुरूआत रविवार की शाम 5.30 बजे से होगा।

सूरत। संजय लीला भंसाली के फिल्म रानी पदमावती को लेकर अब विरोध और तेज हो गया है। शुक्रवार को विश्व हिन्दु परिषद के कार्यक्रर्ताओ ने फिल्म के विरोध में प्रदर्शन करने का निर्णय लिया। उन्होंने पत्रकार परिषद के जरिए जानकारी देते हुए बताया कि हिन्दु धर्म पर प्रहार करने वाले किसी भी फिल्म को बर्दास्त नहीं किया जाएगा।

लिम्बायत से मिला नवजात शिशु

सूरत। लिम्बायत के गोडादरा स्थित रेलवे फाटक के निकट की सम्राट इंडस्ट्रीइयल के झोपडे में पुलिस ने लावारिश अवस्था में पड़े एक जीवित दो माह के नवजात बच्चे का कब्जा लेकर उपचार के लिए अस्पताल में भेज दिया है । स्मीमेर अस्पताल के अनुसार गुरुवार की रात में लिम्बायत पुलिस को सूचना मिली थी कि थाना क्षेत्र के गोडादरा रेलवे फाटक स्थित सम्राट इंडस्ट्रीयल सोसायटी के एक झोपडे मे दो माह का एक अनजान मासूम नवजात बच्चा रो रहा है ।

सूरत। शहर में यमदूत की तरह सडको पर 24 घंटे घुम रहे ट्रकों ने शुक्रवार को एक और युवक को अपना शिकार बनाया। शहर के मंगद्दला रोड़ से बाइक से गुजर रहे युवक को ट्रक ने अपनी चपेट में ले लिया। जिससे युवक की घटना स्थल पर ही दर्द नाक मौत हो गई।

सूरत। शहर के सग्राम पुरा क्षेत्र स्थित प्राचीन क्षेत्र पाल दादा मंदिर में काल भैरव अनुष्ठान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मंदिर के महंत सहित विद्वत ब्राह्मणो ने यज्ञ में आहुति डाल कर विश्व कल्याण की कामना की।

सुंदरकांड पाठ आज

सूरत। श्री रामायण प्रचार मंडल, उधना की ओर से सुंदरकांड का 618वां साप्ताहिक पाठ 11 नवंबर, शनिवार को किया जाएगा। ऊंनम: शिवाय तथा राम धुन के साथ पाठ का आयोजन रात्रि 8.30 बजे से राजेश शाहू के निवास स्थान, सी-133, धीरज नगर-2, निकट मानसरोवर, गोडादरा में किया जाएगा। रामायण प्रचार मंडल की तरफ से प्रत्येक शनिवार को सुंदर कांड का पाठ नि:शुल्क किया जाता है।

सूरत। विधान सभा आम चुनाव के तहत अपनी-अपनी पार्टी का प्रचार करने राजनैतिक दल मैदान में उतर गए है। शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता जन संपर्क अभियान के तहत वराछा रोड़ के स्वामीनारायण मंदिर के निकट लोगों से समपर्क कर रहे थे उसी बीच पास के कार्यकर्ताओं ने उनका विरोध करना शुरु कर दिया। जिससे दोनों दलो के बीच जम कर बहस बाजी हुई । बाद में पुलिस ने बीच बचाव कर दोनों दलों के लोगों को वहां से हटाया।

व्यापारी की मोपेड बाइक की डिकी से 1.70 लाख चोरी

सूरत। अमरोली के सायण रोड स्थित निलमनगर के शिवालय एपारमेन्ट निवासी एक व्यापारी की एक्टिवा मोपेड बाइक की डिक्की में रख्खे नगद 1 लाख 70 हजार हजार रूपये अनजान व्यक्ति चुराकर फरार हो गया होने का मामला सामने आया है. वराछा पुलिस के अनुसार अमरोली के सायण रोड स्थित निलमनगर के शिवालय एपारमेन्ट निवासी पंकज भाई मोहनभाई मिस्त्री (49वर्ष) व्यापारी है। 9 नवंम्बर की दोपहर पंकज भाई अपनी मोपेड एक्टिवा बाइक लेकर वराछा के ट्रैफिक पुलिस चौकी के निकट जीवनधारा होटल के निकट किरीट ऑटो गैरेज के सामने आए और अपनी मोपेड बाइक रख कर निकट में गए थे।

इसी दौरान अनजान चोर उच्चको ने मोपेड बाइक की डिक्की तोड़ कर अंदर रख्खे नगद 1 लाख 70 हजार रूपये चुराकर फरार हो गए. हादसे के चलते पीड़ित व्यापारी की शिकायत पर वराछा पुलिस ने चोरी का मामला दर्ज कर अग्रिम जाँच शुरू की है।

वराछा पुलिस ने 3.50 लाख का गांजा बरामद की

सूरत। वराछा पुलिस को सूचना मिलने पर थाना क्षेत्र के अश्वनी कुमार रोड स्थित अशोक नगर झोपड़पट्टी के एक मकान में छापा मारकर 3 लाख 50 हजार का गांजा बरामद किया है बंद मकान में छिपाकर रखा 58.19 किलोग्राम गाजा पुलिस में जब्त किया । वराछा पुलिस के अनुसार स्टाफ के पुलिसकर्मियों को सूचना मिली थी कि वराछा के अश्वनी कुमार रोड स्थित रेलवे पटरी के निकट की अशोक नगर झोपड़पट्टी के मकान नंबर 45 में गांजे का जखीरा छिपा कर रखा है .

पुलिस ने 66 हजार की शराब के साथ दो जने को दबोचा

सूरत। शहर की डिंडोली व कतारगाव पुलिस को सूचना मिलने पर अपने अपने थाना क्षेत्र के दो ठिकानों पर छापा मारकर 66 हजार की शराब के साथ दो जने को गिरफ्फतार किया है. वही पुलिस ने दो जने को वांछित घोषित किया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार डिंडोली थाने के पुलिस कर्मियों को सूचना मिली थी की नवागांव डिंडोली के संतोषी नगर के एक मकान में अवैध रूप से शराब बेची जा रही है सूचना के चलते पुलिस ने मकान पर छापा मारकर शराब बेच रहे सतीश राधेश्याम ठाकुर को गिरफ्तार किया है. पुलिस ने मौके पर से शराब सहित 37 हजार का मुद्दामाल जप्त किया है. इस मामले में पुलिस ने नवसारी के राजू तथा पुदीना के लालों से मिलो को वंचित घोषित किया है. वही कतारगाम थाने के पुलिसकर्मियों को सूचना मिलने पर थाना क्षेत्र के अंबाजी मंदिर के निकट की कचरा पेटी के पास से दबिश देकर एक युवक को शराब के साथ गिरफ्तार किया है. पुलिस ने आरोपी की पूछताछ करने पर अपना नाम कतारगांव के गौतम नगर झोपड़पट्टी निवासी सागर साहू बताया है पुलिस ने गिरफ्तार किए सागर के पास से 29 हजार की शराब बरामद की है इस दोनों मामले में संबंधित पुलिस ने गिरफ्तार किए गए बुटलेगरो के खिलाफ प्रोहिबिशन की धारा के चलते मामला दर्ज कर अग्रिम जांच शुरू की है।

शिवसेना गुजरात की 50 से 75 सीटों पर लड़ेगी चुनाव

अहमदाबाद (ईएमएस)। शिवसेना ने भी आज गुजरात विधानसभा चुनाव मैदान में उतरने का ऐलान कर दिया है। शिवसेना राज्य की 40 विधानसभा सीटों पर उम्मीदवार खड़े करेगी। गुजरात विधानसभा चुनाव पर देश नहीं बल्कि दुनिया की नजरें टिकी हुई हैं। केन्द्र की एनडीए सरकार की सहयोगी शिवसेना ने आज गुजरात विधानसभा चुनाव में 40 सीटों पर उम्मीदवार उतारने का फैसला किया है। शिवसेना ने यह भी ऐलान किया कि वह गुजरात में किसी भी राजनीतिक दल से गठबंधन नहीं करेगी। हांलाकि आखिरी फैसले शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे ही करेंगे। शिवसेना की ओर से इसकी योजना बनाए जाने के बाद पार्टी का एक उच्चस्तरीय दल चुनी हुई सीटों पर उम्मीदवारों के चयन और चुनावी एजेंडे का निर्णय करने में जुटा हुआ है। इस ऐलान के बाद फिर एक बार भाजपा और शिवसेना के संबंधों पर सवाल उठने लगे हैं। कुछ समय पहले चर्चा थी कि शिवसेना भी चुनावी जंग में कूद सकती है और आज उसने ऐलान कर दिया कि वह 50 से 75 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारेगी। 50 से 75 सीटों में ज्यादातर अहमदाबाद और सूरत की होंगी, जहां महाराष्ट्रीय मतदाता ज्यादा हैं। इसके अलावा राजकोट की भी कई सीटों पर शिवसेना उम्मीदवार खड़े कर सकती है। शिवसेना हिन्दुत्व के मुद्दे को लेकर गुजरात में चुनाव प्रचार करेगी। गौरतलब है कि शिवसेना, भाजपा की सहयोगी पार्टी है, लेकिन पिछले काफी समय से उसकी गतिविधियां भाजपा विरोधी के संकेत दे रही है। एनसीपी मुखिया शरद पवार और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के साथ उद्धव ठाकरे की मुलाकात काफी कुछ कहती है। इसके अलावा पास संयोजक हार्दिक पटेल के साथ फरवरी में हुई मुलाकात से साफ है कि गुजरात में शिवसेना, भाजपा विरोधी रणनीति के साथ आगामी चुनाव में उतरेगी। हांलाकि शिवसेना के लिए गुजरात में अनेक चुनौतियां हैं। राजनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि शिवसेना ने यह कदम गुजरात में भाजपा को कमजोर करने के लिए उठाया है।

हरामीनाले से 5 पाकिस्तानी बोट समेत 3 गिरफ्तार

कच्छ (ईएमएस)। बीएसएफ के जवानों ने गश्त के दौरान जिले के हरामीनाला से 5 पाकिस्तानी बोट समेत 3 घुसपैठियों को गिरफ्तार कर लिया। पांचों बोट पिलर नंबर 1170 के निकट से पकड़ी गई है। गिरफ्तार तीनों शख्स पाकिस्तानी नागरिक हैं। 5 बोट समेत तीनों पाकिस्तानी शख्सों को बीओपी लाया गया है, जहां पूछताछ की जा रही है। साथ ही बीएसएफ ने हरामीनाला क्षेत्र में सर्च ऑपरेशन तेज कर दिया है। गौरतलब है कि गुजरात विधानसभा चुनाव के मद्देनजर सीमावर्ती इलाकों में सुरक्षा व्यवसथा बढ़ा दी गई है। किसी भी आतंकी गतिविधियों से निपटने के लिए सीमावर्ती जिले कच्छ में बीएसएफ द्वारा लगातार गश्त की जा रही है।

भाजपा के गढ़ सूरत पश्चिम सीट में सेंध लगाना कांग्रेस के लिए बड़ी चुनौती

सूरत (ईएमएस)। वर्षों से सूरत पश्चिम सीट भाजपा का गढ़ है और 1989 से इस पर उसका कब्जा रहा है। भाजपा के इस सुरक्षति गढ़ में सेंध लगाना कांग्रेस के लिए बड़ी चुनौती है। सूरत की 12 सीटों में से एक सूरत पश्चिम विधानसभा सीट भाजपा की सबसे सुरक्षा सीट है। राज्य की 18 2 सीटों में से कई ऐसी सीटें हैं जो भाजपा की सुरक्षति सीटे हैं, जिसमें सूरत पश्चिम सीट भी शामिल है। इस सीट से 1990, 1995, 1998 के चुनाव में भाजपा के हेमंत चपटवाला जीते थे। 2002 में हेमंत चपटवाला के निधन के बाद उनकी पत्नी भावना चपटवाला सूरत पश्चिम सीट से चुनी गईं। 2007 और 2012 में किशोर वांकावाला सूरत पश्चिम से विधायक बने। 2013 में किशोर वांकावाला के निधन के बाद हुए उपचुनाव में भाजपा के पूर्णेश मोदी ने 69731 वोटों से बड़ी जीत दर्ज की। सूरत मूल के मतदाताओं को भाजपा के जोड़े रखने के लिए राज्य सरकार ने पूर्णेश मोदी को संसदीय सचिव बनाया। कुल मिलाकर पिछले सात विधानसभा चुनाव से भाजपा ने सूरत पश्चिम सीट पर अपना कब्जा बरकरार रखा है। इन सातों चुनाव में भाजपा ने मोढ वणिक समाज के उम्मीदवार को उम्मीदवार बनाया और इसी समाज को सूरत पश्चिम सीट पर अब तक दबदबा रहा है। सूरत पश्चिम सीट पर पाटीदार फैक्टर का कोई असर नहीं है। सूरत पश्चिम निर्वाचन क्षेत्र में कुल 217221 वोटर हैं। जिसमें 42186 मोढ वणिक, 20253 जैन समाज, 18 105 कोली पटेल और 18105 और मुस्लिम समुदाय के 24944 मतदाता हैं। सूरत पश्चिम विधानसभा के अधीन चार वार्ड में भाजपा की पैनल भारी वोटों के साथ चुनाव जीती थी। भाजपा सांसद सीआर पाटिल के खिलाफ खुली जंग छेड़र बड़े नेता के तौर पर प्रस्थापित पूर्णेश को आगामी चुनाव में नजरअंदाज किए जाने से विद्रोह के सूर उठने लगे हैं। उम्मीदवार चयन प्रक्रिया के दौरान प्रदेश निरीक्षकों के समक्ष दो स्थानीय नेताओं को छोड़कर अन्य सभी नगर पार्षद और संगठन के पदाधिकारियों न पूर्णेश मोदी के नाम की सिफारिश की है। लेकिन प्रदेश निरीक्षक और राज्य सरकार के केबिनेट मंत्री भूपेन्द्रसिंह चूडास्मा की सिफारिश से उम्मीदवारों की पैनल में हेमंत चपटवाला के पुत्र केयूर चपटवाला के नाम से भाजपा में विरोध के सूर उठने लगे हैं।

एनआईडी के आसिस्टन्ट प्रोफेसर 17 दिनों से लापता

अहमदाबाद (ईएमएस)। चांदखेडा क्षेत्र के गोदरेज गार्डन सिटी निवासी और गांधीनगर स्थित नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन (एनआईडी) के आसिस्टन्ट प्रोफेसर पिछले 17 दिनों से लापता हैं। प्रोफेसर की पत्नी की शिकायत पर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की है। जानकारी के मुताबिक अहमदाबाद के चांदखेडा क्षेत्र के गोदरेज गार्डन सिटी में 25 वर्षीय नलीन मनी अपनी पत्नी मनीषा के साथ रहते थे। नलीन मनी गांधीनगर की एनआईडी में बतौर आसिस्टन्ट प्रोफेसर सेवारत थे। गत 22 अक्टूबर की रात्रि भोजन करने के बाद पति-पत्नी सो गए थे। दूसरे दिन सुबह नौ बजे मनीषा जगी तो नलीन मनी नहीं देखा। मोबाइल पर नलीन मनी का कालेज जाने का मैसेज मिलने पर मनीषा ने मान लिया कि उनके पति कालेज गए होंगे। बाद में नलीन मनी के लेपटोप में दिल्ली के फ्लाइट की टिकट मिली। मनीषा ने नलीन मनी को फोन किया तो उनका मोबाइल बंद था। जिसके बाद मनीषा ने दिल्ली स्थित नलीन मनी के मामा को फोन किया। उन्होंने कहा कि नलीन आज दिल्ली आनेवाला था, लेकिन अब तक आया नहीं है। बाद में मनीषा ने अहमदाबाद स्थित नलीन के दोस्तों और नाते-रिश्तेदारों से पूछताछ की। लेकिन नलीन के बारे में कोई अता पता नहीं मिला। नतीजतन मनीषा ने चांदखेडा पुलिस थाने में नलीन के लापता होने की सूचनार्थ रपट दर्ज करवा दी।

उम्मीदवारों के चयन को लेकर भाजपा और कांग्रेस की बैठक आज

अहमदाबाद (ईएमएस)। गुजरात विधानसभा चुनाव के उम्मीदवारों के चयन को लेकर कांग्रेस और भाजपा की बैठकों का दौर कल से प्रारंभ होगा। कांग्रेस अध्यक्षा सोनिया गांधी की में कल नई दिल्ली में बैठक होगी, जिसमें उम्मीदवारों के नाम फाइनल किए जाएंगे। दूसरी ओर भाजपा भी उम्मीदवारों को लेकर कल बैठक करेगी। मुख्यमंत्री विजय रूपाणी के निवास पपर 10 से 12 नवंबर के दौरान भाजपा पार्लामेंटरी बोर्ड की बैठक होगी। जिसमें उम्मीदवारों की पैनल तैयार की जाएगी। प्रत्येक सीट पर तीन-तीन उम्मीदवारों की पैनल पर चर्चा की जाएगी और बाद में इसे केन्द्रीय पार्लामेंटरी बोर्ड के समक्ष पेश किया जाएगा। गौरतलब है गुजरात विधानसभा चुनाव का पहला चरण ठीक एक महीने बाद यानि 9 दिसंबर को होना है और इसके लिए अधिसूचना 21 नवंबर को जारी होगी। 15 नवंबर के बाद भाजपा और कांग्रेस अपने उम्मीदवारों का ऐलान कर सकती हैं।

बिना आरक्षण भी काफी कुछ किया जा सकता है: सैम पित्रोदा

अहमदाबाद (ईएमएस)। एक तरफ कांग्रेस जहां गुजरात में पाटीदारों को अपने पक्ष में लाने का प्रयास कर रही है। आरक्षण के मुद्दे पर हार्दिक पटेल के साथ बातचीत कर रही है। दूसरी तरफ कांग्रेस नेता सैम पित्रोदा ने आरक्षण को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि गुजरात में बिना आरक्षण दिए भी काफी कुछ किया जा सकता है। सैम पित्रोदा पांच के गुजरात दौरे पर हैं। वह वहां कई वर्गों के लोगों से मुलाकात कर रहे हैं। इस दौरान ही पित्रोदा ने कहा है कि विकसित होने के लिए हर किसी को आरक्षण की जरूरत नहीं है। हां, कुछ ऐसे वर्ग हैं, जिन्हें कुछ स्पेशल सुविधाएं दी जा सकती हैं। बता दें कि सैम पित्रोदा को राहुल गांधी के करीबियों में से एक माना जाता है। गौरतलब है कि एक तरफ जहां गुजरात चुनाव काफी नजदीक हैं। जब कांग्रेस लगातार पाटीदार नेता हार्दिक पटेल के समर्थन के लिए उनसे बातचीत कर रही है, तब पार्टी थिंकटैंक के एक बड़े नेता का यह बयान चौंकाता है। बता दें कि बुधवार शाम की कांग्रेस नेता कपिल सिब्बल और पाटीदार आरक्षण समिति की बैठक बेनतीजा रही थी। देर रात 3 घंटे तक चली मैराथन बैठक में संवैधानिक तौर पर कांग्रेस किस तरीके से आरक्षण देगी, इस विषय पर पाटीदार नेताओं ने सवाल उठाए। हालांकि बैठक के बाद पाटीदार नेताओं ने कहा कि उनकी मुलाकात बेहद अच्छे माहौल में हुई।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा 4 ओ-ब्लाक आगम नवकार कॉम्पलेक्ष सचीन रेल्वे स्टेश के पास,सूरत, जि. सूरत, गुजरात से प्रकाशित, एवं तासीलोक पब्लिकेशन 152,153 श्री राम इंडस्ट्रीयल एरिया पांडेसरा सूरत 394210 से मुद्रत, फोन नं. 9879141480 संपादक सुरेश मौर्या (पी आर बी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी) E-mail: krantisamay@gmail.com